संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शुक्रवार, 16 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 46 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर 28वें ब्रॉडकास्ट एंड मीडिया टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए।

'विपक्ष के पास मोदी का कोई तोड़ नहीं, डूब रही गठबंधन की नांव'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

चुनावी बॉन्ड योजना के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनावाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसपर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की आलोचना करते हुए इसे असंवैधानिक बताया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर भाजपा ने कहा कि शीर्ष अदालत के हर फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहा है क्योंकि उसके पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और उनकी सरकार द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों का कोई विकल्प नहीं है।

सुप्रीम फैसले का होना चाहिए सम्मान

भाजपा की यह प्रतिक्रिया सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक ऐतिहासिक फैसले में लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द करने के बाद आई है। भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा कि हम अदालत में अपना पक्ष रखते हैं, कुछ मामले जीतते हैं और कुछ हारे जाते हैं। लेकिन हर किसी को सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश या फैसले को स्वीकार और सम्मान करना चाहिए।

विपक्ष के पास नहीं भाजपा का तोड़

भाजपा प्रवक्ता ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ राजनीतिक दल इसका राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उनके पास मोदी जी के नेतृत्व और उनकी सरकार द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों का कोई जवाब या विकल्प नहीं है। भारत अब दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है।

गठबंधन की डूब रही नाव

नलिन कोहली ने कहा कि ये राजनीतिक दल जिस जिस गठबंधन को तैयार कर रहे थे, वो अब खुद दल-दल में फंसता जा रहा है। केंद्र सरकार चुनावों में काले धन के इस्तेमाल के मुद्दे से निपटने के लिए चुनावी बॉन्ड योजना लेकर आई है। इसका मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया में काले धन को कैसे रोका जाए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को स्वीकार किया जाना चाहिए।

विपक्ष हुआ भाजपा पर हमलावर

बता दें कि शीर्ष अदालत ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को छह साल पुरानी योजना के योगदानकर्ताओं के नाम चुनाव आयोग को बताने का आदेश दिया। विपक्षी दलों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर हमला बोला।

आदर्श विचार

"शिक्षा और ज्ञान उसी को मिलता है जिसमें जिज्ञासा होती है।" भागवद्

मन की बात

"दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो।" स्वामी विवेकानंद

तीसरी आंख

इलेक्टोरल बॉन्ड पर लगी 'सुप्रीम' रोक

यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है: सुप्रीम कोर्ट, अब 13 मार्च को पता चलेगा किस पार्टी को किसने, कितना चंदा दिया

असंवैधानिक

8 सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 6 साल पुरानी इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ये स्कीम असंवैधानिक है। बॉन्ड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन है। अब 13 मार्च को पता चलेगा किस पार्टी को किसने, कितना चंदा दिया।। कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन से 13 मार्च तक अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम की जानकारी पब्लिश करने के लिए कहा है। इस दिन पता चलेगा कि किस पार्टी को किसने, कितना चंदा दिया। यह फैसला 5 जजों ने सर्वसम्मति से सुनाया। चीफ जस्टिस ने कहा, 'पॉलिटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है, जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है।' 2018 से अब तक इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए सबसे ज्यादा चंदा भाजपा को मिला है। 6 साल में चुनावी बॉन्ड से भाजपा को 6337 करोड़ की चुनावी फंडिंग हुई। कांग्रेस को 1108 करोड़ चुनावी चंदा मिला। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद अब यह पता चलेगा कि किस कंपनी, किन लोगों से कितना पैसा मिला है। 2017 में वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इसे पेश करते वक्त दावा किया था कि इससे राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाली फंडिंग और चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। ब्लैक मनी पर अंकुश लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने स्कीम को असंवैधानिक करार दिया: इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को असंवैधानिक करार दिया जाता है, क्योंकि इससे लोगों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन होता है और इसमें देने के बदले कुछ लेने की गलत प्रक्रिया पनप सकती है।

...तो मतदाता अपने वोट के लिए सही चुनाव कर सकता है

पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी के चलते मतदाता अपने वोट के लिए सही चुनाव कर सकता है। सारी राजनीतिक फंडिंग पब्लिक पॉलिसी में बदलाव के मकसद से नहीं होती है। छात्र, दिहाड़ी मजदूर आदि भी चंदा देते हैं। ऐसे में सिर्फ इसलिए चुनावी चंदे को गोपनीयता के दायरे में रखना, क्योंकि कुछ कंट्रीब्यूशन किसी और मकसद से किए गए हैं, यह अनुचित है।

कंपनियों के डोनेशन प्रोसेस में कब और क्या बदलाव किया गया: कंपनी एक्ट 2013 के तहत कोई कंपनी किसी पॉलिटिकल पार्टी को चंदा दे सकती है। इसमें बदलाव से पहले कुछ शर्तें थीं। डोनेशन को बोर्ड की मंजूरी मिली हो, डोनेशन कैश में नहीं दिया जा सकता है, चंदे का जिक्र कंपनी के प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट में होना चाहिए।

'कंपनियों की ओर से की गई फंडिंग व्यापार होता है'

किसी एक व्यक्ति की ओर से दिए गए चंदे के मुकाबले किसी कंपनी की ओर से की गई फंडिंग का राजनीतिक प्रक्रिया पर ज्यादा असर हो सकता है। कंपनियों की ओर से की गई फंडिंग शुद्ध रूप से व्यापार होता है। चुनावी चंदे के लिए कंपनी एक्ट में संशोधन मनमाना और असंवैधानिक कदम है। इसमें कंपनियों और किसी एक चंदा देने वाले को एक जैसा बना दिया गया। इसके जरिए कंपनियों की ओर से राजनीतिक दलों को असीमित फंडिंग का रास्ता खुला।

पीएम मोदी-कतर के अमीर के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कतर यात्रा काफी महत्वपूर्ण है। विदेश सचिव ने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत और कतर के संबंधों को काफी ऊंचे स्तर पर ले जाने का आधार तैयार किया है। विदेश सचिव ने कहा कि भारत और कतर दो देशों के बीच दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी बनाने के लिए निवेश को माध्यम के रूप में उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी को भारत आने का निमंत्रण दिया है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई के लिए कतर सरकार की सराहना की और भारतीय समुदाय का समर्थन करने के लिए कतर के अमीर को धन्यवाद दिया। विदेश सचिव ने बताया कि दोनों नेताओं ने ऊर्जा और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रणनीतिक निवेश और साझेदारी को लेकर बात की। प्रधानमंत्री मोदी और कतर के अमीर की वार्ता पर विदेश सचिव क्वात्रा ने कहा कि दोनों नेताओं की चर्चा में व्यापार साझेदारी, निवेश सहयोग और ऊर्जा संबंध शामिल हैं।

भारतीय किसान परिषद भारत बंद के समर्थन में

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर ने कहा कि कल हजारों की तादाद में किसान चक्का जाम करेंगे

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

चंडीगढ़

मंगलवार को शंभू बॉर्डर पर हुए बवाल के बाद बुधवार को भी तनाव की स्थिति बनी रही। शाम को तय हुआ कि गुरुवार शाम एक बार फिर केंद्र किसानों से बात करेगा। तब तक किसानों ने आगे न बढ़ने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री बैठक के लिए पहुंचे: किसान नेताओं के साथ बैठक के लिए केंद्रीय मंत्री मीटिंग स्थल पर पहुंचे। सीएम भगवंत मान किसान नेताओं से बैठक के लिए सेक्टर 26 के महात्मा गांधी स्टेट इंस्टीट्यूट पहुंचे।

भारतीय किसान परिषद ने भारत बंद का किया समर्थन: भारतीय किसान परिषद ने भारत बंद का समर्थन किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने कहा कि कल हजारों की तादाद में किसान चक्का जाम करेंगे।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर ऐलान किया गया।

हरियाणा कांग्रेस ने 17 फरवरी तक सभी कार्यक्रम किए स्थगित: हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 17 फरवरी तक के अपने सभी कार्यक्रमों को स्थगित किया गया है।

किसान आंदोलन के चलते इन कार्यक्रमों को फिलहाल टाला गया है। स्थगित हुए कार्यक्रमों में 17 तारीख को हिसार में होने वाला पिछड़ा वर्ग सम्मेलन, पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के विभिन्न कार्यक्रम भी शामिल हैं।

बीजेपी को 2022-23 में 720 करोड़ का डोनेशन

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने राजनीतिक दलों को मिलने वाले डोनेशन की रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में बीजेपी को लगभग 720 करोड़ रुपए डोनेशन मिले हैं। भाजपा को मिली रकम कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) और नेशनल पीपुल्स पार्टी को मिले डोनेशन से पांच गुना अधिक है। फाइनेंशियल ईयर में 20 हजार से अधिक का डोनेशन मिलने पर रजिस्टर्ड पॉलिटिकल

पार्टियों को खुलासा करना होता है। 2022-23 में नेशनल पार्टियों को कुल 850.43 करोड़ रुपए डोनेशन में मिले हैं। कुल डोनेशन में कांग्रेस ने सिर्फ 79.92 करोड़ रुपए मिलने की घोषणा की है। कुल 12 हजार 167 डोनेशन में भाजपा को 7,945 और कांग्रेस को 894 डोनेशन से ये रकम हासिल हुई है। बीजेपी को सबसे ज्यादा 7945 डोनेशन में 719.85 करोड़ रुपए मिले हैं।

बीएसपी ने सिर्फ 20 हजार रुपए चंदा मिलने की घोषणा की: देश की छठी राष्ट्रीय पार्टी बहुजन समाज पार्टी ने घोषणा की है कि उसे 2022-23 के दौरान 20 हजार रुपए से अधिक का कोई चंदा नहीं मिला। बीते 17 साल से बीएसपी यही घोषणा करती आ रही है।

त्रिपुरा में देवी सरस्वती की आपत्तिजनक प्रतिमा पर बवाल

टीम एक्शन इंडिया/अगरतला

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने वसंतपंचमी के अवसर पर एक सरकारी कॉलेज परिसर में देवी सरस्वती की प्रतिमा को अभद्रता से प्रदर्शित करने पर कड़ा विरोध प्रदर्शन किया है। आरएसएस से संबद्ध एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने लिचुबगान के सरकारी संस्थान में पूजा के लिए रखी गई देवी सरस्वती की आपत्तिजनक प्रतिमा के प्रति कड़ा विरोध दर्ज किया।

दुष्परिणाम

राज्य के पास बचा केवल बीस साल का पानी

धान पर जोर ने बढ़ाया पंजाब का जल संकट

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली

न्यूनतम समर्थन मूल्य की संवैधानिक गारंटी के लिए फिर से शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों में सबसे आगे पंजाब में किसान धान में एमएसपी का लाभ उठाने में जितने आगे हैं, उतना ही कृषि के विविधीकरण में पीछे और पर्यावरण की चुनौतियों का सामना करने में ढुलमुल। पंजाब में कृषि और खासकर धान की विविधता का दायरा सीमित है। इस फसल का रकबा तेजी से बढ़ता जा रहा है- 1980 में 28.12 लाख हेक्टेयर से 2023 में 31.93 लाख हेक्टेयर तक, लेकिन इस दौरान बाकी सभी फसलें (गन्ना, कपास, गेहूं और

मक्का) उतनी ही तेजी से पीछे छूटती गईं।

मक्के की खेती का रकबा घटा: इसकी वजह जबरदस्त उर्वरक सब्सिडी, सस्ती बिजली (1970-1990 तक फ्लैट रेट और फिर पूरी तरह मुफ्त), 1967 से एमएसपी आधारित गारंटीड खरीद और सिंचाई में बेहिसाब पानी के इस्तेमाल की सुविधा है। आज हालत यह है कि 1980 में मक्के की खेती का जो रकबा 3.82 लाख हेक्टेयर था, वह 2023 में घटकर एक लाख हेक्टेयर पर आ गया है। यही कपास के मामले में भी हुआ है-43 साल में इसका क्षेत्रफल 6.49 लाख हेक्टेयर से 1.80 लाख हेक्टेयर पर आ गया। इसके गंभीर पर्यावरण दुष्परिणाम अनुभव किए जाने लगे हैं।

बजट सत्र

8 पंजाब में कृषि और खासकर धान की विविधता का दायरा सीमित है, फसल का रकबा तेजी से बढ़ता जा रहा

उद्यमी, उद्योग मित्र के समान : सीडीओ

उद्योग मित्र बैठक

8 ब्याज उपादान के लगभग 25 लाख के 15 प्रकरणों को समिति ने स्वीकृति प्रदान की है

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया
मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला उद्योग मित्र की बैठक में ब्याज उपादान के लगभग 25 लाख के 15 प्रकरणों को समिति ने स्वीकृति प्रदान की है।
जिला कार्यालय सभागार में हुई बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि उद्योग विभाग उद्यमियों के साथ उद्योग मित्र की तरह व्यवहार करते हुए उनकी हर एक समस्या का समयान्तर्गत समाधान करते हुए एकल खिड़की व्यवस्था के तहत ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई कर जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाए जाने के लिए तत्परता से कार्य करें। मुख्य विकास अधिकारी ने महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र को निर्देश दिए कि विभाग के अंतर्गत बैंकों के माध्यम से जिन भी लाभार्थियों के ब्याज उपादान के प्रकरण प्राप्त होते हैं। उन्हें तत्काल उद्योग मित्र की बैठक में प्रस्तुत कर उन्हें स्वीकृति प्रदान कराएं। ताकि जिले में उद्यमियों को एक बेहतर माहौल मिले,और उनके जो भी ब्याज उपादान के दावे सहित अन्य योजनाओं का लाभ हैं, वह समय पर मिले,जिससे अन्य उद्यमी भी प्रेरित होकर अपना उद्योग लगाने के लिए आगे आएं। सीडीओ ने इस संबंध में सभी बैंकर्स को भी निर्देश दिए कि वह लाभार्थियों के ब्याज उपादान के दावों को शीघ्रता से जिला उद्योग केन्द्र को भेजें।बैठक में जिला महाप्रबंधक उद्योग दीपक मुरारी द्वारा विभिन्न योजनाओं अंतर्गत लंबित प्रकरणों सहित विभागीय योजनाओं की जानकारी रखी। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि उद्यमियों के हित सर्वोपरि हैं,इस हेतु किसी भी उद्यमी के देयक लंबित न रहे, समय पर उनका निस्तारण हो।जनपद में पंजीकृत उद्यम इकाइयों एवं सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम नीति तथा विशेष एकीकृत औद्योगिक प्रोत्साहन नीति के अंतर्गत आने वाले उद्योगों के ब्याज उत्पादन के दावों, विद्युत उत्पादन, पूंजी निवेश सहायता, जनपद में औद्योगिक संस्थान, सिंगल विंडो सिस्टम एवं अन्य प्रकरणों पर भी चर्चा की गई।
बैठक में वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल,जिला लीड बैंक प्रबंधक अमर सिंह ग्वाल, सहित विभिन्न उद्योग से जुड़े उद्योग मित्र व विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रामभक्तों को लेकर हरिद्वार से अयोध्या रवाना ट्रेन, निशंक ने दिखाई हरी झंडी

रवाना

8 हरिद्वार से दूसरी बार रवाना हुई आस्था स्पेशल ट्रेन से 1350 यात्री रवाना हुए हैं।

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार से दूसरी बार रवाना हुई आस्था स्पेशल ट्रेन से 1350 यात्री रवाना हुए हैं।
हरिद्वार रेलवे स्टेशन से आज गुरुवार को आस्था स्पेशल ट्रेन अयोध्या के लिए रवाना हुई। हरिद्वार सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ट्रेन में रवाना होते ही राम भक्त भजनों पर झूमते नजर आए। ट्रेन से 1350 यात्री रवाना हुए हैं।

डॉ. निशंक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देशभर के राम भक्तों को रामलला के दर्शन के लिए जो सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं वह अतुलनीय हैं। रामलला अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए हैं उनके दर्शन के लिए देश भर के लाखों राम भक्त लालायित है।

संक्षिप्त खबरें

हैवान बना प्रेमी: निकाह के लिए कहा तो नाबालिग प्रेमिका को मार डाला, कट्टे में डालकर गंगनहर में फेंका शव

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
आरोपी ने कबूल किया कि किशोरी लगातार उस पर निकाह करने का दबाव बना रही थी। इसलिए उसने पीछा छुड़ाने के लिए उसकी हत्या कर दी।
हरिद्वार की रानीपुर पुलिस ने क्षेत्र में हुई किशोरी की हत्या के मामले का खुलासा कर दिया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि वह नाबालिग का प्रेमी था। उसने ही अपनी प्रेमिका की हत्या की थी। उसने बताया कि आरोपी ने किशोरी से पीछा छुड़ाने लिए गला दबाकर उसे मौत के घाट उतारा और शव को कट्टे में डालकर गंगनहर में फेंक दिया था।
एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 31 जनवरी को सलेमपुर महदूद निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 15 वर्ष की बेटी की गुमशुदा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसका शव दो दिन पहले आसफ नगर झाल से बरामद हुआ था। पुलिस ने मोबाइल नंबर की डिटेल निकालने के साथ अन्य पहलुओं पर पड़ताल शुरू की। तब मामले से पर्दा उठता चला गया। एसएसपी ने बताया कि आरोपी अजीम को गिरफ्तार कर लिया गया है।
बताया कि उसका किशोरी से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसलिए वह लगातार उस पर निकाह करने का दबाव बना रही थी। 27 दिसंबर की रात घंटों तक दोनों की फोन पर बातें हुई। इसके बाद उसने उसे रात में मिलने के लिए बुलाया। जहां गला दबाकर किशोरी को मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद कट्टे में शव डालकर भैंसा बुग्गी से लेकर रेगुलेटर पुल से गंगनहर में फेंक दिया था।

लामरीधार में सड़क से नीचे झाड़ियों में मिला शक्षिण का शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

टिहरी /टीम एक्शन इंडिया
नई टिहरी में जाखणीधार ब्लाक के लामरीधार में संदिग्ध हालत में एक शिक्षक का शव मिला है। रात को हुई घटना का सुबह पता चलने के बाद मौके पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय बौराड़ी भेजा है। वहीं, परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए इसकी जांच की मांग की है।
हिंडोलाखाल पुलिस थानाध्यक्ष धनराज बिष्ट ने बताया कि प्रेमलाल (54) पुत्र सोबन लाल निवासी ग्राम चौंड जसपुर तहसील जाखणीधार जिला टिहरी गढ़वाल रात नौ बजे करीब अपनी बाइक से लामरीधार बजार से अपने घर जसपुर के लिए गया था, लेकिन वह रात को घर नहीं पहुंचा तो सुबह परिजनों ने गांव में फोन कर उसका पता लगाने को कहा। उसके बाद ग्रामीणों ने उसकी तलाश शुरू की तो लामरीधार से कुछ दूर आगे ही पालकोट-चौंड जसपुर रोड किनारे उसकी बाइक खड़ी मिली। ग्रामीणों ने आस-पास देखा तो वह करीब 20 फीट नीचे झाड़ियों में पड़ा मिला। ग्रामीण उसको निकालने के लिए नीचे पहुंचे तो वह मृत अवस्था में पाया गया। बताया गया कि शिक्षक के मुंह पर काफी चोट थी। परिजनों की ओर से हत्या की आशंका जताई गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि इस मामले में अभी तक पुलिस को कोई तहरीर नहीं मिली है। गांव के प्रधान शीला कुमाईं और कीर्ति कुमाईं ने बताया कि प्रेमलाल के हाथ में हेलमेट था और उसकी पैंट की जिप खुली हुई थी।

प्रतिष्ठित शैलेश मटियानी पुरस्कार से नवाजे जाएंगे शिक्षक

चंपावत/टीम एक्शन इंडिया
प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने वाले शिक्षकों को दिए जाने वाले प्रतिष्ठित शैलेश मटियानी पुरस्कार 2023 की घोषणा राज्यपाल की संस्तुति पर कर दी गई है। इस वर्ष प्रदेश के 17 शिक्षकों का चयन इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए किया गया है, जिसमें चंपावत जिले के दो शिक्षक शामिल है पंडित बेनीराम पुनेठा राजकीय इंटर कॉलेज लोहाघाट के प्रधानाचार्य श्याम दत्त चौबे को विद्यालय व छात्र हितों में बेहतरीन कार्य करने के लिए प्रतिष्ठित शैलेश मटियानी पुरस्कार से नवाजा जाएगा
इनके अलावा चंपावत जिले के दूरस्थ राजकीय प्राथमिक विद्यालय गागर के प्रधानाचार्य खड़क सिंह बोहरा को प्राथमिक वर्ग में शैलेश मटियानी पुरस्कार दिया जाएगा।

हरिद्वार आ रहे यात्रियों की कार गंग नहर में गिरी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
हरिद्वार आ रही यात्रियों की एक कार गंगनहर में जा गिरी। मौके पर मौजूद राहगीर ने अपनी जान पर खेल कर गाड़ी में सवार लोगों की जान बचाई। जल पुलिस के जवान गाड़ी को नहर में से निकालने के प्रयास में जुटे हैं। कार हरियाणा के सोनीपत से हरिद्वार आ रही थी।
सोनीपत भट्ट गांव निवासी 39 वर्षीय यशवीर अपनी पत्नी रोशनी और 2 वर्षीय पुत्र के साथ कार में सवार होकर हरिद्वार की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार मंगलौर में नहर के ऊपर बने पुल के पास पहुंची तो एक बाइक सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर गंग नहर में जा गिरी।

छात्रों को पुस्तकालयों से जोड़ा जाये : डीएम मयूर दीक्षित

निर्देश

8 डीएम ने सरकारी भवनों में अधिकाधिक रीडिंग रूम बनाने के प्रस्ताव भेजने को कहा।

नई टिहरी/टीम एक्शन इंडिया
जिला पुस्तकालय को हाइटेक करने के बाद डीएम मयूर दीक्षित ने जनपद के सभी नौ ब्लाकों में भी पुस्तकालय शुरू करवाये हैं। वीसी के माध्यम से सभी पुस्तकालयों के नियमित संचालन के निर्देश दिए। डीएम ने शिक्षा विभाग को सामुदायिक सहित अन्य सरकारी भवनों में अधिकाधिक रीडिंग रूम बनाने के प्रस्ताव भेजने को कहा।

जिला मुख्यालय के बाद जनपद के सभी नौ ब्लाकों में डीएम ने खनन न्यास की मदद से पुस्तकालय खुलवाए हैं, जिससे छात्र पुस्तकालयों से जुड़ कर पठन-पाठन का माहौल बना सकें। उन्होंने इन पुस्तकालयों का भरपूर उपयोग करने के लिए छात्रों, युवाओं व पाठकों को प्रेरित करने को कहा। डीएम ने कहा कि किसी भी पुस्तकालय में किताबें भंडारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर पुस्तकों को उसके पाठक तक पहुंचाने का काम बेहतरी से किया जाय। डीएम ने वीसी के माध्यम पुस्तकालयों को देख रहे स्कूलों के प्रधानाचार्यों को वीसी के माध्यम से पुस्तकालयों तक पाठकों को पहुंचाने को कहा। पुस्तकालयों को नियमित खोलने के साथ ही पाठकों से जोड़ने को भी कहा। वीसी के माध्यम से पुस्तकालय खुलने पर ब्लाकों के विद्यालयों के छात्रों ने खुशी जाहिर की और पुस्तकालयों को उपयोग करने की बात भी कही। सीईओ एसपी सेमवाल से डीएम ने कहा कि रीडिंग रूम के लिए अधिकाधिक प्रस्ताव भेजें। पुस्तकालयों से स्कूल छोड़न वाले को भी जोड़ें। इस मौके पर एडीएम केके मिश्रा, एसडीएम टिहरी संदीप कुमार, डीईओ वीके ढौंडियाल आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार

विवेचना

8 अपहरण, दुष्कर्म व पोक्सो के मामले में आरोपित मनीष पुत्र संजीव कुमार का नाम प्रकाश में आया

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
नाबालिग से दुष्कर्म के फरार चल रहे आरोपित को हरिद्वार पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस पीड़िता को पहले ही बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर चुकी है।
कोतवाली मंगलौर में एक पिता ने उसकी नाबालिग पुत्री को 15 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर कर ले जाने के संबंध में अभियोग पंजीकृत कराया था।

एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देश पर गठित पुलिस टीम द्वारा नाबालिग को पूर्व में सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया था।
विवेचना के दौरान अपहरण,दुष्कर्म व पोक्सो के इस मामले में आरोपित मनीष पुत्र संजीव कुमार का नाम प्रकाश में आया। मुजफ्फर नगर का रहने वाला आरोपित बराबर फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास करते हुए गुरुवार को मुजफ्फर नगर से गिरफ्तार कर लिया।

निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए सिडकुल में उद्योग प्रदर्शनी

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
उत्तराखंड सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन और एम्पटेक इंडिया संयुक्त रूप से त्रिदिवसीय हरिद्वार फार्मा एंड लैब एक्सपो का आयोजन करेगा। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य उत्तराखंड में बाहर के उद्योग निवेशकों को आमंत्रित करना है।प्रदर्शनी में देश-विदेश के फार्मा उद्योग मशीनरी, लैब, केमिकल, पैकेजिंग मैटेरियल उद्योग के निमार्ता और प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रदर्शनी में प्रदेश के फार्मा एवं कॉस्मेटिक, आयुष उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।
गुरुवार को सिडकुल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन उत्तराखंड और एम्पटेक इंडिया ने रोशनाबाद में प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी।

नाबालिग की हत्या: नामजद था कोई और कातिल निकला कोई और

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के नाबालिग किशोरी के अपहरण और हत्या के एक ब्लाइंड मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्यारोपित को गिरफ्तार कर लिया है। इस प्रकरण में नामजद आरोपित की कोई संलिप्तता नहीं पाई गई।
कप्तान प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि 15 दिन पहले सलेमपुर महदूद निवासी व्यक्ति ने रानीपुर कोतवाली में सहारनपुर उप्र निवासी एक युवक के खिलाफ 15 वर्षीय नाबालिग बेटी को भगा ले जाने का अभियोग पंजीकृत कराया था। 12 दिन बाद उक्त नाबालिग की लाश असफनगर झाल से बरामद हुई।पुलिस की पड़ताल में इस मामले में नामजद की कोई

संलिप्तता नही पाई गई।
उक्त शव की तस्दीक परिजनों द्वारा गुमशुदा नाबालिग के रूप में करने से प्रकरण ने नई करवट ली। तमाम खोजबीन और पड़ताल के बाद भी नामजद युवक की प्रकरण में किसी भी प्रकार की संलिप्तता न मिलने पर विवेचना की अन्य संभावित दशा और दिशा पर काम करते हुए मालूमात की गई तो प्रकरण में एक नया लेकिन संदिग्ध चेहरा सामने आया। उक्त संदिग्ध आरोपित अजीम से अभी तक बरामद जानकारी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने कथित नाबालिग के साथ किए गए वहशियाना कारनामे के सारे पन्ने एक-एक कर खोल दिए।
अजीम ने बताया कि उसकी नाबालिग बेटी मृतका के साथ अक्सर मोबाइल पर बातें होती रहती थीं, जो धीरे-धीरे लव अफेयर में तब्दील हो गई। इस रिश्ते को एक वाजिब नाम देने के लिए मृतका द्वारा विवाह का लगातार दबाव बनाया जा रहा था। इस दबाव को दूर करने के लिए अपने दिमाग में खुराफाती ताना-बाना तैयार कर अजीम ने 27/28 जनवरी की रात मृतका को घर से कहीं दूर चलने के लिए बुलाया और मौका देखकर मृतका का धोखे से गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद कातिल ने लाश को कट्टे में रखा और झोट्टा-बुग्गी में ले जाकर रैग्यूलेटर पुल से आगे गंगा नदी में फेंक दिया। पुलिस टीम ने हत्यारोपित अजीम को हिरासत में लेकर उसकी निशांदेही पर मृतका का मोबाइल फोन व अन्य सामान भी बरामद किया है।
ब्लाइंड मर्डर के मामले के खुलासे के लिए रानीपुर कोतवाल विजय सिंह व शामिल टीम की प्रशंसा की गई।गिरफ्तार हत्यारोपित अजीम पुत्र जमशेद ग्राम सलेमपुर थाना रानीपुर हरिद्वार का रहने वाला है।

एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने परियोजनाओं की परखी प्रगति

समीक्षा बैठक

8 इंदिरा मार्केट परियोजना का कार्य में प्रगति लाने के लिए सबंधित फर्म को कई बार निर्देशित किया जा चुका है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया
मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) के उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने गुरुवार को समीक्षा बैठक कर प्रस्तावित एवं गतिमान परियोजनाओं की प्रगति परखी और विभिन्न बिंदुओं पर आवश्यक निर्देश देने के साथ अपूर्ण परियोजनाओं को गुणवत्तायुक्त ससमय पूर्ण करने को कहा। कई

परियोजनाओं के शीघ्र शिलान्यास व लोकार्पण के भी निर्देश दिए।
बैठक में ईको पार्क निर्माण के लिए उपाध्यक्ष ने शीघ्र डीपीआर तैयार कर टेंडर पूर्ण कराने का निर्देश दिया। बैठक में प्रस्तावित आढ़त बाजार चौड़ीकरण से प्रभावित होने वाले दुकानदारों की परिसंपत्तियों के मूल्यांकन के अंतिमीकरण एवं व्यापारियों की सहमति, अनापत्ति संबंधित बिंदुओं के लिए 17 फरवरी को बैठक किए जाने के निर्देश दिए। प्रस्तावित आढ़त बाजार के निकट ग्राम ब्राह्मणवाला स्थित भूमि पर मच्छी बाजार को स्थानांतरित किए जाने के लिए शीघ्र प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। नवीन प्रस्तावित आढत बाजार पुनर्विकास परियोजना के साथ उद्यान अनुभाग से संबंधित कार्यों मालदेवता में प्रस्तावित वॉटरफॉल का सौन्दर्यीकरण, गौरा देवी पार्क का सौंदर्यीकरण, आईएसबीटी पार्क इत्यादि का शिलान्यास कराने का निर्देश दिया।

कार्यों में कम प्रगति पर मांगी रिपोर्ट, कार्रवाई की चेतावनी-
दिलाराम चौक से मुख्यमंत्री आवास तक प्रस्तावित सौंदर्यीकरण कार्यों में कम प्रगति पर उपाध्यक्ष ने संबंधित ठेकेदार से कार्य प्रगति की रिपोर्ट मांगी। ससमय कार्य पूर्ण न करने पर संबंधित ठेकेदार व फर्म के विरुद्ध कार्रवाई की चेतावनी दी।

उत्तर रेलवे
ई-नीलामी
मुरादाबाद मंडल के हरिद्वार स्टेशन और मुरादाबाद स्टेशन पर पर "Contract for packing of two wheeler and other parcel packing service near outward parcel shed" 3 साल हेतु ई-नीलामी के तहत दिनांक 29.02.2024 टाइम 10:00 am को बोली www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध है।
500/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद-244001 द्वारा सामग्रकर्ताओं से निम्नलिखित मद के लिए इलेक्ट्रॉनिक निविदा प्रणाली के अन्तर्गत भंडार की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	माल का विवरण	मात्रा	बयाना राशि	अनुमानित मूल्य रु.	निविदा खुलने की तिथि
01	97245018A	[illegible] ADEN/HW के अंतर्गत SSE/W/DDN का अनुमान	02 Pairs	0/-	1300000/-	08-MAR-24

नोट: पूर्ण विवरण एवं निविदा शर्तें वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। [illegible]
निविदा सं. 50-S&P/2024 दिनांक : 13.02.2024
501/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

भारतीय रेल
"सार्वजनिक अधिसूचना"
[illegible]

खंड	टीकेएम (दिनांक)
"उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के [illegible] स्टेशन की [illegible] लूप लाइन स्थान 1409/8 (प. 1409/200.00) से स्थान 1410/18 (प. 1410/404.00) तक जिसमें संबंधित टर्न आउट और एक्स-ओवर शामिल हैं और मौजूदा लाइनों में संशोधन"।	1.294 (26.02.2024)

25 के.वी. ए.सी. कर्षण का परिचय
"सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"
जनता की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि 25 kV AC इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन [illegible]
उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण
उत्तर रेलवे, मुरादाबाद
No. 17-Elect/C/TRD/MB/131 Dated: 14.02.2024
503/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा आमंत्रण सूचना

विभाग	Electrical (TRD)
टेंडर नं	T-12-TRD-MB-23-24
कार्य का नाम	मुरादाबाद मंडल आइसोलेटरों की वार्षिक ओवर हॉलिंग (एओएच)
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक एवं समय	11.03.2024 at 15:00 hrs
कार्य की अनुमानित लागत	Rs. 89,89,984.50/- (18% GST सहित)
बिड सिक्यूरिटी राशि	Rs. 1,78,800/-
निविदा प्रपत्र मूल्य	NIL
ऑफर की वैधता (दिन)	60 दिन
कार्य पूरा करने की अवधि	24 माह
वेबसाइट एवं कार्यालय का पता	www.ireps.gov.in कार्यालय मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद

निविदा सूचना सं.: Elect/TRD/MB/2023-24/TN-32 दिनांक: 15.02.2024
512/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मुख्यमंत्री धामी ने गौचर में किया रोड-शो, बड़ी संख्या में शामिल हैं महिलाएं

महोत्सव

8 मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को नंदा गौरा महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे।

देहरादून/चमोली/टीम एक्शन इंडिया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को गौचर में आयोजित नंदा गौरा महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे। इस बीआरओ गेस्ट हाउस, गौचर से मेला मैदान तक रोड-शो किया। मुख्यमंत्री पुष्कर

सिंह धामी आज दोपहर हेलीकॉप्टर से गौचर पहुंचे। इसके बाद कार से बीआरओ गेस्ट हाउस में पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल तक रोड शो किया। इस दौरान पुरुषों के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं रोड-शो में शामिल हुई। इस दौरान लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री धामी आज विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करेंगे। 'नंदा-गौरा महोत्सव' बेटी ब्वारी आवा उत्तराखण्ड तै अगनि बढ़ावा कार्यक्रम में शामिल होंगे। बता दें कुछ पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में भी मातृशक्ति महोत्सव कार्यक्रम में शिरकत करने से पहले शहर में रोड शो निकाला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रोड शो में शामिल हुए और ढोल.नगाड़ों की थाप पर जमकर झूमे।

विभिन्न स्कूलों की छात्राओं के अलावा महिलाओं ने सीएम धामी का स्वागत किया। विभिन्न तरह के ढोल.नगाड़ों की टीमों ने रोड शो के दौरान धूम मचा दी। वहींए जनसभा में भी इतनी भीड़ उमड़ी थी कि पैर रखने तक की जगह नहीं मिली।

मुख्यमंत्री के रोड शो में आगे.आगे ढोल.नगाड़ों के साथ कार्यकर्ता झूमते हुए चले। दोनों तरफ मानव श्रृंखला बनाकर छात्राओं और बड़ी संख्या में महिलाओं ने सीएम धामी का अभिनंदन किया।

देवपुरा से लेकर ऋषिकुल मैदान तक हुए रोड शो में शामिल सीएम सहित सभी कार्यकताओं पर पुष्प वर्षा की गई।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने राज्यसभा के लिए दाखिल किया नामांकन

नामांकन

8 उत्तराखंड में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी की सीट दो अप्रैल को हो खाली हो रही है

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने गुरुवार को राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम के साथ ही अन्य मंत्री और विधायक भी मौजूद रहे।गुरुवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने विधानसभा स्थित चुनाव अधिकारी कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल किया।

उत्तराखंड में राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी की सीट दो अप्रैल को हो खाली हो रही है। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है।

हल्द्वानी बनभूलपुरा हिंसा : कर्फ्यू खुला, सब्जी और फल भी बिके

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

हल्द्वानी के बनभूलपुरा हिंसाग्रस्त क्षेत्र में कर्फ्यू खुलते ही चहल-पहल दिखाई दी। लोगों ने घरों से निकलकर फल व सब्जी की दुकानें भी लगाईं। भले ही बनभूलपुरा के लोगों को अभी सुरक्षा घेरे के अंदर रहने की हिदायत है, लेकिन सात दिन बाद प्रशासन की ओर से राहत मिलने के बाद लोगों का जीवन थोड़ा ढर्रे पर आना शुरू हो गया है। गुरुवार की सुबह प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंचीं। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह और जोनल मजिस्ट्रेट एपी वाजपेयी और एसडीएम पारितोष वर्मा ने लोगों से बातचीत कर उनके हालचाल भी जाने।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाला आरोपित लखनऊ से गिरफ्तार

गिरफ्तार

8 - पुलिस ने नाबालिग को पूर्व में ही कर लिया था सकुशल बरामद, आरोपित था फरार

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

स्थानीय कोतवाली पुलिस ने विगत 16 जनवरी को ऋषिकेश क्षेत्र से एक नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुराचार किए जाने के आरोपित को एक महीने बाद लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है जबकि पुलिस ने नाबालिग को पूर्व में ही सकुशल बरामद कर लिया

था, तभी से आरोपित फरार था। ऋषिकेश कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक उत्तम सिंह रमोला ने बताया कि विगत 17 जनवरी 2024 को वादी के द्वारा कोतवाली ऋषिकेश में एक लिखित तहरीर दी गई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री विगत 16 जनवरी 2024 को करीब 1:00 बजे दिन में घर से अपने स्कूल की फाइल लेने बाजार के लिए निकली थी, जो अब तक घर वापस नहीं आई है।

पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज का अवलोकन कर उपरोक्त नाबालिग को दीपक यादव पुत्र सुखराम निवासी वादे का पुरवा थाना मवई जिला अयोध्या, उत्तर प्रदेश अपने साथ बहला फुसलाकर लखनऊ उत्तर प्रदेश ले गया है। इसके पश्चात नाबालिग की सकुशल बरामदगी और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए गठित टीम लखनऊ उत्तर प्रदेश रवाना हुई जहां से 20 जनवरी 2024 को नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया था, लेकिन आरोपित मौके से पहले ही फरार हो गया था।

नाबालिग से पूछताछ के आधार पर ज्ञात हुआ कि आरोपित उसे बहला फुसलाकर अपहरण करने के पश्चात उसके साथ दुष्कर्म भी किया। इसके बाद आरोपित के विरुद्ध पोक्सो अधिनियम की बढ़ोतरी की गई। नाबालिग को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर आरोपित की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे थे। उसे कल 14 फरवरी 2024 को को लखनऊ उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

हल्द्वानी बनभूलपुरा हिंसा: गौजाजाली, रेलवे बाजार, आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक कर्फ्यू में छूट

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

जिलाधिकारी ने शांति व्यवस्था में सुधार को को देखते हुए वनभूलपुरा के कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र में स्थित गौजाजाली, रेलवे बाजार, आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक कर्फ्यू में छूट दी है। जबकि शेष बनभूलपुरा में 9 से 11 बजे तक कर्फ्यू में छूट देने का आदेश जारी किया है। यह आदेश 15 फरवरी से सुबह 5 बजे से अगले आदेशों तक लागू रहेगा।

जिलाधिकारी वंदना सिंह के जारी आदेश के मुताबिक वनभूलपुरा में 15 फरवरी से सुबह 5 बजे कर्फ्यू में छूट दिए जाने का आदेश लागू होगा। इसके तहत गौजाजाली, रेलवे बाजार, आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक कर्फ्यू में छूट दी है। जबकि शेष बनभूलपुरा में 9 से 11 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। कर्फ्यू में छूट के दौरान क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े प्रतिष्ठान और दुकानें खुली रहेंगी। इस दौरान आम लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए दुकानों तक आ जा सकेंगे जबकि अनावश्यक आवागमन प्रतिबंधित रहेगा।

क्षेत्र के लोगों के लिए यह छूट सिर्फ कर्फ्यू वाले क्षेत्र में ही आवागमन की अनुमति रहेगी। वह कर्फ्यू वाले क्षेत्र से बाहर आ-जा नहीं सकेंगे। कर्फ्यू में छूट के तहत छात्र-छात्राएं परीक्षा देने के लिए क्षेत्र से परीक्षा केंद्र तक आ जा सकेंगे। साथ ही क्षेत्र में निवासरत कर्मचारी भी बोर्ड ड्यूटी पर जा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर लोगों के खिलाफ धारा-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों को लाउडस्पीकर से क्षेत्र में इस आदेश का प्रचार करने के आदेश दिए हैं।

हल्द्वानी बनभूलपुरा : कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र के बच्चे भी देंगे सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

हल्द्वानी

सीबीएसई की आज से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में कर्फ्यू प्रभावित बनभूलपुरा क्षेत्र के छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें अपना प्रवेश पत्र कर्फ्यू पास के तौर पर इस्तेमाल करना होगा। यहां के कई बच्चे शहर के नामी निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। सीबीएसई से संबद्ध निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बनभूलपुरा के बच्चों की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर असमंजस बना हुआ था। स्कूलों की ओर से इस संबंध में लगातार स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही थी। इस संबंध में शासन स्तर पर भी वार्ता की जा रही थी। निर्देश मिलने के बाद बुधवार शाम को डीएम की मौजूदगी में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि बनभूलपुरा के जिन छात्र-छात्राओं को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा देनी है उन्हें प्रवेश पत्र दिखाकर स्कूल तक जाने की अनुमति मिलेगी। सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने इसकी पुष्टि की है।

बनभूलपुरा में नजूल भूमि पर बने मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों की आगे की पढ़ाई को लेकर एडीएम प्रशासन पीआर चौहान ने सीईओ नैनीताल जगमोहन सोनी को निर्देशित किया था। कहा था कि मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को नजदीकी स्कूलों में प्रवेश दिलाने की कार्रवाई की जाए।

आदेश के अनुपालन में शिक्षा विभाग की एक टीम खंड शिक्षा अधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्र की अगुवाई में बुधवार को मौके पर पहुंची। यहां करीब तीन घंटे तक आसपास रहने वाले 235 बच्चों और उनके अभिभावकों से जानकारी जुटाई गई। खंड शिक्षा अधिकारी मिश्र ने बताया कि एकत्रित जानकारी के अनुसार मदरसे में कोई भी बच्चा पंजीकृत नहीं पाया गया। केवल पांच से छह बच्चे ऐसे मिले जो स्कूल से छूटने के बाद तालिमी शिक्षा के लिए मदरसे में जाते थे। क्षेत्र के सभी बच्चे शहर के सरकारी और निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जीजीआईसी बनभूलपुरा में 9 फरवरी को इंटरमीडिएट बायोलॉजी विषय का प्रैक्टिकल होना था, लेकिन कर्फ्यू के कारण स्कूल बंद होने से प्रैक्टिकल नहीं हुआ। संबंधित बच्चों का ये प्रैक्टिकल उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के बीच या फिर बाद में कराया जाएगा। नई तिथि जारी की जाएगी।

मुस्लिम देश में मंदिर का निर्माण, सनातन संस्कृति का स्वर्णिम काल

स्वर्णिम काल

8 मोदी ने देश को निराशा के गर्त से उभार कर विश्व की आर्थिक सामरिक महाशक्ति बनाया है।

देहरादून/टीम एक्शन इंडिया

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने आबूधाबी मंदिर में लहराते भगवा पताका को सनातनी संस्कृति का स्वर्णिम काल बताया है।

प्रदेश अध्यक्ष भाजपा महेंद्र भट्ट ने एक जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यही सनातन का उत्कर्ष काल है। एक ओर प्रभु राम के मंदिर के विरोध में साजिशें होती रही, लेकिन आज मुस्लिम देश में भव्य मंदिर बनना सुखद है। अयोध्या में राम मन्दिर का निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद से सब कुछ शुभ हो रहा है। अबुधाबी में आज प्रधानमंत्री मोदी की ओर से किया गया बीएपीएस मंदिर का उद्घाटन इसकी एक कड़ी है। यह प्रत्येक भारतवासी और विश्व के समस्त सनातनियों के लिए यह बेहद गौरवशाली और ऐतिहासिक क्षण है। लंबा कालखंड ऐसा रहा कि विदेशी आक्रांताओं की दमन नीति के चलते भारत के अंदर और बाहर बड़े पैमाने पर हिन्दू धर्म संस्कृति के प्रतीकों को ध्वस्त किया गया। इतना ही नही आजादी के बाद भी छद्म धर्मनिरपेक्ष की आड़ में राजनेताओं ने इनका पुनरुत्थान नही होने दिया, लेकिन भाजपा की सांस्कृतिक पुनर्जागरण की लंबी लड़ाई को पीएम मोदी ने निर्णायक स्वरूप प्रदान किया है। यही वजह है कि 500 वर्षों और लाखों शहादतों के बाद प्रभु श्री राम अपने भव्य दिव्य धाम में पधारे हैं। उन्होंने कहा कि आज वैदिक पद्धति से आबूधाबी में मंदिर शुभारंभ होना इसलिए और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि इसका निर्माण विशुद्ध मुस्लिम रीति रिवाजों वाले देश में हुआ है। यह सनातन अनुयायियों के लिए बेहद उत्साह बढ़ाने वाला है कि युगों बाद पहली बार अरब क्षेत्र में हिन्दू धर्म की ध्वज पताका लहराएगी। ये हमारे देश में सनातन का विरोध करने वालों के लिए भी आंख खोलने और सच स्वीकारने का क्षण है।

उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को निराशा के गर्त से उभार कर विश्व की आर्थिक सामरिक महाशक्ति बनाया है। ठीक उसी तरह देश विदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। वो दिन अब दूर नही है जब भारत और उसकी सनातनी संस्कृति दुनिया के शीर्ष पर होगी।

व्यापार मंडल प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 24 को हरिद्वार में

हल्द्वानी/टीम एक्शन इंडिया

प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल उत्तराखंड के प्रांतीय पदाधिकारियों की पहली बैठक 24 फरवरी को हरिद्वार में होगी। प्रदेश अध्यक्ष नवीन वर्मा ने बताया कि बैठक में प्रांतीय पदाधिकारियों की कार्यप्रणाली एवं अधिकारों के संबंध में विस्तृत चर्चा होगी। प्रदेश महामंत्री प्रकाश मिश्रा की ओर से प्रांतीय पदाधिकारियों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश तैयार किए जा रहे हैं। प्रदेश कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने सभी प्रांतीय पदाधिकारियों से 23 फरवरी की शाम तक अनिवार्य तौर पर हरिद्वार पहुंचने को कहा है।

वाहन चोरी के आरोपित गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

अभियोग

8 दिपांशु ने जुपिटर स्कूटी चोरी होने के सम्बन्ध में कोतवाली में अभियोग दर्ज करवाया था।

हरिद्वार

नगर कोतवाली पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की दो स्कूटी बरामद की हैं। नशा और ऐश करने के लिए वाहन चोरी करते थे।

नगर कोतवाल कुंदन सिंह राणा ने बताया कि वादी दिपांशु डण्डरियाल ने एक माह पहले अपनी जुपिटर स्कूटी चोरी होने के सम्बन्ध में कोतवाली में अभियोग दर्ज करवाया

था। बीते दिनों कई वाहनों की चोरी के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कोतवाली स्तर पर गठित टीम ने चेकिंग अभियान के तहत पुराना रानीपुर मोड अण्डर पास से सागर पुत्र सुनील कुमार और शिवम मिश्रा पुत्र स्व. राजेन्द्र मिश्रा को हिरासत में लिया और उनके पास से चोरी की गई दो स्कूटी बरामद की है। दोनों स्कूटी के मालिकों द्वारा हरिद्वार कोतवाली व ज्वालापुर कोतवाली में चोरी का मुकदमा दर्ज है।

आरोपितों से दुपहिया वाहन चोरी करने के संबंध में पूछताछ में बताया कि वे शराब इत्यादि का नशा तथा ऐश करने के लिए वाहनों की चोरी करते हैं।

गुरु गोरखनाथ धाम में 271.39 लाख से होंगे विकास कार्य

वित्तीय स्वीकृति

8 गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटन सुविधाओं को विकसित को लेकर वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया

जनपद के सीमांत मंच तामली क्षेत्र में स्थित गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटन सुविधाओं को विकसित किए जाने को लेकर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत जनपद के गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किए जाने की शासन द्वारा

प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गयी है।

यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी नवनीत पांडेय ने अवगत कराया कि गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किए जाने के लिए कार्यदायी संस्था उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम लोहाघाट को 271.39 लाख की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इसके अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों में मंच में हिमालय दर्शन के लिए वॉच टावर एवं कैफेटेरिया, मंच से गोरखनाथ ट्रैक रूट का पडंजा के रूप में विकास, गुरु गोरखनाथ की मूर्ति की स्थापना, धाम में टॉयलेट का विकास, चाहरदीवारी का निर्माण, रैन वाटर हार्वेस्टिंग का विकास, मंदिर के 3 गेटों का पुनर्निर्माण, मंदिर परिसर में पटाल से फर्श का निर्माण तथा समस्त मार्ग में बेंचेस एवं साइनेज की स्थापना की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि स्वीकृत धनराशि से मदानुसार यथा शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

आईसीआईसीआई फाउंडेशन ने एम्स को अत्याधुनिक मोबाइल ब्लड वैन भेंट की

अभियोग

8 दिपांशु ने जुपिटर स्कूटी चोरी होने के सम्बन्ध में कोतवाली में अभियोग दर्ज करवाया था।

ऋषिकेश/टीम एक्शन इंडिया

एम्स, ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में आईसीआईसीआई फाउंडेशन की ओर से संस्थान के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग ब्लड बैंक को अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाइल ब्लड वैन भेंट की गई। बताया गया कि इससे ब्लड बैंक में जरूरतमंदों के जीवन बचाने के लिए अधिक संख्या में रक्तदाता रक्तदान कर सकेंगे।

एम्स परिसर में आयोजित कार्यक्रम का मुख्य अतिथि संस्थान की कार्यकारी निदेशक व सीईओ प्रोफेसर (डॉ.) मीनू सिंह ने विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने एम्स संस्थान के ब्लड बैंक को ब्लड कलेक्शन के लिए सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाइल ब्लड वैन भेंट करने के लिए आईसीआईसीआई फाउंडेशन का आभार जताया।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन की इस पहल से दूरदराज के इलाकों में मोबाइल ब्लड वैन के माध्यम से रक्तदाता रक्तदान कर एम्स रक्तकोष में सहयोग कर सकते हैं, जिससे जरूरतमंदों के जीवन को बचाया जा सके।इस अवसर पर संकायाध्यक्ष (अकादमिक) प्रोफेसर जया चतुर्वेदी ने संस्थान की ओर से आईसीआईसीआई बैंक व आईसीआईसीआई फाउंडेशन के अधिकारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. गीता नेगी ने बताया कि इसके माध्यम से संस्थान के रक्तकोष को ब्लड कलेक्शन में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मोबाइल ब्लड वैन में ब्लड स्टोरेज सिस्टम उपलब्ध है, इस वैन में एक समय में तीन लोग ब्लड डोनेट कर सकते हैं। ले. कर्नल अमित पराशर ने कहा कि संस्थान मरीजों को हरसंभव चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने को प्रतिबद्ध है। इस दिशा में संस्थागत स्तर पर सतत रूप से कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर एनाटॉमी विभागाध्यक्ष प्रो. ब्रिजेंद्र सिंह, ट्रांसफ्यूजन मेडीसिन विभाग की डॉ. दलजीत कौर, डॉ. आशीष जैन, आईसीआईसीआई बैंक के जोनल हेड संजीव शर्मा, ब्रांच मैनेजर रमन सचदेवा, रीजनल हेड अनादि द्विवेदी, रीजनल मैनेजर मेघा गुप्ता, फाउंडेशन के प्रोजेक्ट हेड सुधीर जैन, अमित डंगवाल आदि मौजूद थे।

त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग में चाकू से गोदकर युवक की हत्या

चम्पावत/टीम एक्शन इंडिया

जिले के पाटी ब्लॉक में त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग के मामले में एक युवक ने ग्राम प्रधान के की बेटे चाकू से गोदकर हत्या कर दी। घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

आरोपित ने पुलिस को खुद फोन कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक टैक्सी चालक था। पुलिस ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम करा कर आज परिजनों को सौंपा जाएगा। हत्यारोपित को भी कोर्ट में पेश

किया जाएगा।बुधवार को देर शाम पनिया निवासी बबलू सिंह ने काजिना निवासी खिलानंद जोशी उर्फ खिलेश (30) पुत्र सुरेश चंद्र जोशी को चाकू गोदकर उसे लहूलुहान कर दिया और इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना भी खुद ही दी। मौके पर पहुंची पुलिस और 108 सेवा ने खून से लतपथ खिलानंद जोशी को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पाटी पहुंचाया। यहां डॉ. निफ्ती साह ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आरोपित ने बताया कि वह और एक लड़की से प्रेम करता है। खिलानंद भी उस लड़की को पसंद करता था और उससे बात करता था जो उसे पसंद नहीं था। इसी कारण तैश में आकर उसने घटना को अंजाम दिया है। थाना अध्यक्ष देवनाथ गोस्वामी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 302 के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

संपादकीय

एक राष्ट्र एक चुनाव' बड़ा विचार-बड़ा सुधार

देश में गंभीर तार्किक एवं अन्य चुनौतियों के बावजूद लोकसभा और राज्यों के विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का विचार दशकों से चर्चा के केंद्र में है। इसका मकसद भारतीय चुनाव चक्र की अनावश्यक पुनरावृत्ति को रोकना है। हालांकि वर्ष 1967 तक 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा के तहत देश में चुनाव हुए हैं, लेकिन कार्यकाल समाप्त होने से पहले राज्यों की विधानसभा और लोकसभा के बार-बार भंग होने के कारण यह सिलसिला थम गया। इसके बावजूद लोकसभा चुनाव के साथ कुछ राज्यों मसलन आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम के विधानसभा चुनाव अभी भी साथ होते हैं। आज 'एक राष्ट्र एक चुनाव' की अवधारणा कुछ कारणों से अपरिहार्य हो गई है। केंद्र सरकार कुछ समय पहले इस संबंध में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति का गठन कर चुकी है। यह समिति इस संबंध में व्यापक मंथन कर रही है।

इस अवधारणा पर अगस्त 2018 में जारी विधि आयोग की एक मसौदा रिपोर्ट बेहद महत्वपूर्ण है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के अभ्यास से सार्वजनिक धन की बचत होगी। प्रशासनिक व्यवस्था और सुरक्षा बलों पर पड़ने वाले तनाव को कम किया जा सकेगा। इससे सरकारी नीतियों का समय पर कार्यान्वयन संभव होगा। चुनाव प्रचार के बजाय विकास गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए विभिन्न प्रशासनिक सुधार किए जा सकेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि संविधान के अनुच्छेद 83(2) और अनुच्छेद 172 में कहा गया है कि लोकसभा और राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल पांच वर्ष का होगा। इसमें जरूरी यह है कि यदि इन्हें पहले भंग न किया जाए। मगर अनुच्छेद 356 के तहत ऐसी परिस्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं जिसमें विधानसभाएं पहले भी भंग की जा सकती हैं। इसलिए कार्यकाल पूरा होने से पहले केंद्र अथवा राज्य सरकार के गिरने की स्थिति में इस योजना की व्यवहार्यता सबसे अहम प्रश्न है। चुनाव विशेषज्ञ मानते हैं कि इस बदलाव के लिए संविधान में संशोधन करने से न केवल विभिन्न स्थितियों और प्रावधानों पर व्यापक तौर पर विचार करने की आवश्यकता होगी, बल्कि ऐसे बदलाव भविष्य में किसी प्रकार के संवैधानिक संशोधनों के लिए एक मिसाल भी साबित हो सकते हैं। कुछ विशेषज्ञ कहते हैं कि बार-बार होने वाले चुनाव के वर्तमान स्वरूप को लोकतंत्र में अधिक लाभकारी के तौर पर देखा जा सकता है, क्योंकि यह मतदाताओं की आवाज को बुलंद करता है। केंद्र और राज्यों के मुद्दे अलग-अलग होते हैं। इसलिए वर्तमान ढांचा अधिक जवाबदेही सुनिश्चित करता है।

माना जा रहा है कि एक साथ चुनाव के लिए लगभग 30 लाख इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर-वेरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) मशीनों की आवश्यकता होगी। भारत निर्वाचन आयोग वर्ष 2015 में सरकार को एक व्यवहार्यता रिपोर्ट सौंप चुका है। इसमें संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 में संशोधन का सुझाव दिया जा चुका है। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एक साथ चुनाव कराने के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता होगी। यही नहीं, 15 वर्ष बाद मशीनों को बदलने की अतिरिक्त लागत के साथ ईवीएम और वीवीपीएटी की खरीद के लिए लगभग 9,284.15 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी।

किसान आंदोलन बीच का कोई रास्ता निकलेगा

रोहित माहेश्वरी

> इस बीच कांग्रेस की तरफ से एमएसपी को लेकर कानूनी गारंटी का वादा किया जा रहा है। खास बात है कि जब कांग्रेस नीत यूपीए सत्ता में थी तब उन्होंने एमएसपी को लेकर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था। उस समय मनमोहन सिंह सरकार ने स्वामीनाथन समिति की सिफारिश को अस्वीकार कर दिया था।
>
> इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन की भारित औसत लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए था। उनका तर्क था कि एमएसपी और उत्पादन लागत के बीच इस तरह का संबंध बाजार को विकृत कर सकता है। तत्कालीन कृषि और खाद्य राज्य मंत्री केवी थॉमस ने 2010 में कहा था कि कुछ मामलों में एमएसपी और उत्पादन लागत के बीच एक यांत्रिक संबंध ठीक नहीं हो सकता है

किसानों के दो बड़े संगठनों, संयुक्त किसान मोर्चा और किसान मजदूर मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर दिल्ली चलो का नारा दिया है, वहीं संयुक्त किसान मोर्चा ने 16 फरवरी को एक दिन का ग्रामीण भारत बंद करने का आह्वान किया है। दो साल पहले दिल्ली के बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसानों का आंदोलन इतना मुखर था कि नरेंद्र मोदी सरकार को कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) कानून -2020, कृषक (सशक्तीकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा पर करार कानून 2020 और आवश्यक वस्तुएं संशोधन अधिनियम 2020 को रद्द करना पड़ा था। किसानों को डर था कि सरकार इन कानूनों के जरिए कुछ चुनिंदा फसलों पर मिलने वाले न्यूनतम समर्थन मूल्य देने का नियम खत्म कर सकती है और खेती-किसानी के कॉरपोरेटाइजेशन (निगमीकरण) को बढ़ावा दे सकती है। इसके बाद उन्हें बड़ी एग्री-कमोडिटी कंपनियों का मोहताज होना पड़ेगा। इन कृषि कानूनों के रद्द होने के बाद किसानों ने भी अपना आंदोलन वापस ले लिया था। उस दौरान सरकार ने उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी देने का वादा किया था। इसके साथ ही उनकी कुछ और मांगों को भी पूरा करने का वादा किया गया था।

सरकार की ओर से किसानों से बातचीत के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय की कमेटी बनाई गई। हाल ही में इन मंत्रियों की किसानों के साथ दो बार बातचीत हुई, जो बेनतीजा रही। इसके बाद ही किसान संगठनों ने यह फैसला लिया कि 13 फरवरी को वो दिल्ली कूच करेंगे। इस बार किसानों ने जो मांगे रखी हैं, उन्हें पूरी तरह मान लेना शायद किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाने में क्या दिक्कत आ रही हैं, इन पर व्यापक रूप से विचार विमर्श करने की जरूरत है। इसके लिए एक आयोग या समिति का गठन करना होगा जिसमें किसान संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल किए जाएं। फिलहाल 23 कृषि उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में है और किसान मांग कर रहे हैं कि समर्थन मूल्य पर सभी फसलों को शामिल किया जाए। एक बात यह भी ध्यान देने योग्य है कि फसलों की किस्म, गुणवत्ता, पोषक तत्व, लागत आदि से फसल की कीमतें तय होती हैं। यदि खराब गुणवत्ता की उपज को भी समर्थन मूल्य पर खरीदने की बाध्यता होगी तो यह सरकार के लिए असहज स्थिति हो सकती है। सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले खाद्यान्न राशन कार्ड धारक गरीबों को रियायती दरों पर दिया जाता है। इसके अलावा देश के करीब 80 करोड लोगों को भी 5 किलोग्राम प्रति माह खाद्यान्न दिया जा रहा है। न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून बनाए जाने से हो सकता है अधिकांश किसान वही फसल लगाएंगे जिनका उत्पादन अधिक होता है । इससे देश में खाद्यान्न की उपलब्धता में असमानता होने से जमाखोरी को बढ़ावा मिलेगा । आम उपभोक्ताओं को भी अधिक कीमत चुकानी पड़ सकती हैं। इसके अलावा गरीबों को रियायती और मुफ्त में दिये जाने वाले खाद्यान्नों की कमी का भी सामना करना पड़ सकता है। जहां तक किसानों के कर्ज को माफ करने की बात है, इस पर भी व्यापक चिंतन करने की जरूरत है। यह देखा गया है कि देश के लघु और सीमांत किसानों की तुलना में बड़े किसानों पर अधिक कर्ज होता है। कर्ज का ब्याज माफ करना तो समझ में आता है लेकिन पूरा कर्ज माफ करने से ब्याज और मूल नहीं चुकाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। इससे संपन्न और सक्षम किसान भी कर्ज नहीं चुकाते हैं, यह सोचकर कि सरकार तो कर्ज माफ कर ही देगी । कर्ज माफी के बजाय सरकार को बिजली, दवाई, बीज, कृषि यंत्र, खाद आदि पर और रियायत दें तो लागत में कमी आ सकती है। वर्तमान में लागत में अत्यधिक वृद्धि होने से किसानों को मुनाफा बहुत कम हो रहा है जिसके कारण कर्ज लगातार बढ़ रहा है । किसान 60 वर्ष से अधिक आयु होने पर 10000 रुपए प्रति माह पेंशन की भी मांग कर रहे हैं। देश में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से हर साल 10 करोड़ से अधिक किसानों को 6000 रुपए तीन किस्तों में दिए जा रहे हैं। 10000 रुपए महीने पेंशन की मांग तो शायद किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं होगा। हां पात्र किसानों को पेंशन दी जा सकती है लेकिन किसानों की मांग यहीं थम जाएगी, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। इस किसान आंदोलन से ऐसे अनेक सवाल सामने आ गए हैं जिनका त्वरित निराकरण करना जरूरी है। 2020 में किसान आंदोलन शांतिपूर्ण ढंग से संपर्क हो गया था लेकिन इस बार जैसे-जैसे समय बढ़ेगा, देश के अन्य किसान संगठन के इस आंदोलन से जुड़ने की आसार बढ़ेंगे। किसानों की तरफ से एमएसपी को लेकर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर आंदोलन किया जा रहा है।

इस बीच कांग्रेस की तरफ से एमएसपी को लेकर कानूनी गारंटी का वादा किया जा रहा है। खास बात है कि जब कांग्रेस नीत यूपीए सत्ता में थी तब उन्होंने एमएसपी को लेकर स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था। उस समय मनमोहन सिंह सरकार ने स्वामीनाथन समिति की सिफारिश को अस्वीकार कर दिया था।

इसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य उत्पादन की भारित औसत लागत से कम से कम 50 प्रतिशत अधिक होना चाहिए था। उनका तर्क था कि एमएसपी और उत्पादन लागत के बीच इस तरह का संबंध बाजार को विकृत कर सकता है।

तत्कालीन कृषि और खाद्य राज्य मंत्री केवी थॉमस ने 2010 में कहा था कि कुछ मामलों में एमएसपी और उत्पादन लागत के बीच एक यांत्रिक संबंध ठीक नहीं हो सकता है। सरकार का मानना था कि कृषि लागत और मूल्य आयोग ने ऑब्जेक्टिव मानदंडों और विभिन्न कारकों के आधार पर एमएसपी की सिफारिश की है। हाल ही में, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद राहुल गांधी सहित कांग्रेस नेताओं ने सत्ता में आने पर एमएसपी की गारंटी देने वाले कानून को पारित करने का संकल्प लिया। कुछ दिन पहले राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी देश के लिए फैसले लेती है, न कि राजनीति के लिए, एमएसपी पर कानूनी गारंटी के वादे पर आलोचना का जवाब देते हुए। उन्होंने यह भी बताया कि यूपीए सरकार ने स्वामीनाथन समिति द्वारा की गई 201 में से 175 सिफारिशों को लागू किया था। किसान, समिति की सिफारिशों के आधार पर, सीटू प्लस 50 फॉर्मूले को लागू करने की मांग कर रहे हैं, जिसमें एमएसपी द्वारा कवर की गई 23 फसलों के लिए उत्पादन की व्यापक लागत शामिल है। हालांकि, सरकार ने कहा है कि कोई भी प्रतिबद्धता बनाने से पहले इस मुद्दे की विस्तार से जांच करने की जरूरत है। विपक्षी राजनीतिक दल भी आंदोलन को हवा देंगे जिससे देश में अराजकता का माहौल पैदा होने की आशंका है। केंद्र सरकार को बहुत ही संयम से काम लेना होगा और किसान संगठनों से निरंतर संवाद बनाए रखकर इसका जितने जल्दी हो सके स्थायी समाधान करने के प्रयास करने होंगे। क्योंकि संवाद और आपसी सहमति से ही कोई रास्ता निकलेगा। किसानों को भी उचित-अनुचित मांगों पर पुनर्विचार करना होगा। किसान और सरकार दोनों, एक दूसरे के स्थान पर अपने आप को रखकर देखें कि यदि हम उनके स्थान पर रहते तो क्या व्यावहारिक हल होता। संभव है कोई ना कोई बीच का रास्ता जरूर निकलेगा और किसान आंदोलन छोड़कर फिर से अपने खेतों की ओर रुख करेंगे। इसी में खेती किसानी और देश की भलाई है।

कविता

"झूमता बसन्त है"

फूलों में, कलियों में, पत्तो में, फलियों में,
गाँव की गलियों में, प्यार के छलियों में,
झूमता बसन्त है।

रंगों में, अंगों में, प्रेम के प्रसंगों में,
बागों में, बहारों में, गांवों में, बाजारों में,
झूमता बसन्त है।

बच्चों में, जवानों में, बूढ़ो में, सयानो में,
दीवानों परवानों में, मेरे-तेरे अरमानों में,
झूमता बसन्त है।

एक में, लाखों में, प्यार भरी आंखों में,
सरसों के फूलों में, प्रीत के झूलों में,
झूमता बसन्त है।

गेंदा में, गुलाब में, आफताब मेहताब में,
फितरत में, कुदरत में, मोहब्बत में, नफरत में,
झूमता बसन्त है।

हंसने में, मुस्काने में, अदा में इतराने में,
प्यार में, जलन में, विरह में, मिलन में,
झूमता बसन्त है।

नदियों में, पहाड़ों में, गर्मी में, जाड़ो में,
दिन में रात में, बातों ही बात में,
झूमता बसन्त है।

संजीव

भारतवर्ष का सनातनी, वैदिक ज्ञान

संजीव

भारतवर्ष सदैव आध्यात्मिक और वैदिक भारत के रूप में संपूर्ण विश्व में जाना जाता रहा है। अध्यात्म से जुड़े हुए हमारे ऐतिहासिक महापुरुषों के कारण भारत सदैव आदर की दृष्टि से देखा जाता है। अध्यात्म और नैतिक शिक्षा भारत के लिए एक बहुत बड़ी पूंजी तथा संपत्ति है, जो हमें विरासत में प्राप्त हुई है। आध्यात्मिकता के दम पर ही भारत ने विश्व में वैदिक शास्त्र, अध्यात्म का परचम लहराया है। वैदिक दर्शन और अध्यात्म दर्शन भारतीयता का ऐतिहासिक परिचायक है। आध्यात्मिक शक्ति एवं वैदिक ऊर्जा के कारण भारत के महापुरुष सदैव सच्चरित्र और ब्रह्मचर्य का पालन करते आए हैं। हमारे ऋषि-मुनियों ने भी सत चरित्र को अपने जीवन का अंग बना कर अनेक वैदिक ग्रंथों की रचना भी की है जो प्रत्येक भारतीय जनमानस के लिए मार्गदर्शक ग्रंथ बन गए हैं। रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, विवेकानंद, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं अनेक ऐसे विद्वान हैं जिन्होंने सत्चरित्र और अध्यात्म के दम पर भारत को विश्व में सर्वोच्च मुकाम भी दिलाया है। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने कहा है की सच्चरित्र केवल एक व्यक्ति का ना होकर संपूर्ण राष्ट्र का होना चाहिए। अनेक यूरोपीय विद्वानों ने और भारतीय अध्यात्म के मनीषियों ने सत और चरित्र को अपने जीवन में आत्मसात करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए और दोनों को मिलाकर सत्चरित्र शब्द को बड़े विस्तार से समझाया है। अध्यात्म और योग शक्ति ही मनुष्य को सच्चरित्र बनाने में हमेशा मददगार रही है क्योंकि अध्यात्म से व्यक्ति की एकाग्रता तथा ज्ञान में वृद्धि होकर मन ईश्वर के प्रति श्रद्धानवत होता है और ईश्वर के प्रति जो व्यक्ति अगाध श्रद्धा रखता है वह सदैव अपने चरित्र के प्रति विशेष सावधान रहकर सच्चरित्र व्यक्तित्व ही बनाता है।

यह कहावत एकदम सत्य प्रतीत होती है की "सद्गुण है सच्ची संपत्ति दुर्गुण बड़ी विपत्ति" यह तो निश्चित है की सदाचारी परोपकारी संयमशील, इमानदार ,निष्ठावान नागरिक सच्चरित्र होकर एक महान राष्ट्र को जन्म देता है ।वहीं दुष्ट चरित्र व्यक्ति काम, क्रोध, कामना और लालच में पड़कर अपनी जिंदगी को नर्क बना कर दिया सदैव अशांत रहता है, अशांत नागरिक किसी भी कार्य में स्थिरता अथवा प्रगति प्रदान नहीं कर सकता है, वह अपने समाज तथा देश को कमजोर करने का ही कार्य करता है। धन और संपत्ति से ज्यादा महत्वपूर्ण चरित्र को बलवान बनाने वाली आध्यात्मिक शिक्षा ही है। धन-संपत्ति नष्ट होने पर किसी भी व्यक्ति का बड़ा नुकसान नहीं होता पर यदि चरित्र चला जाए तो उसका सम्मान यश तथा सामाजिक स्थिति एकदम निकृष्ट बन जाती है उसका समाज में अपमान होने लगता है, ऐसे में कोई भी व्यक्ति या नागरिक समाज में सिर उठाकर नहीं चल सकता। ऐसा व्यक्ति समाज के उत्थान में कोई योगदान देने के काबिल नहीं रह जाता। इसलिए मनुष्य के जीवन में सबसे बड़ी एवं महत्वपूर्ण आवश्यकता आध्यात्मिक शिक्षा एवं चरित्रवान जीवन है।

विचार

कांग्रेस मुक्त भारत या कांग्रेस युक्त भाजपा

नरेंद्र तिवारी पत्रकार

लोकसभा चुनाव 2024 की अब कभी भी घोषणा हो सकती है। केंद्र की सत्ता पर काबिज भाजपा इसे लेकर काफी उत्साहित है। भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा एक नारा बड़े पुरजोर तरीके से लगाया जा रहा है। मंचीय भाषणों में कांग्रेस मुक्त भारत का यह नारा या श्लोगन खूब चर्चित हो रहा है। श्री राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद भाजपा का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस उत्साह के कारण कांग्रेस में भी निराशा का वातावरण बन गया है। हाल ही में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ राज्य के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली सफलता ने भी कांग्रेस मुक्त भारत के नारे की गूंज को बढ़ा दिया है। किंतु क्या यह असल में होने वाला हैं ? क्या कांग्रेस लोकसभा के चुनाव में अपने पूर्व के प्रदर्शन से भी कमजोर प्रदर्शन करने जा रही है ? क्या वर्तमान में मोदी लहर पर सवार भाजपा देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल को सबसे कमजोर प्रदर्शन करने की स्थिति में ला खड़े करेगी ? इन सवालों के मध्य एक बड़ा सवाल यह उठता है की क्या भारत को कांग्रेस से मुक्त करने के लिए कांग्रेस नेताओं को भाजपा में शामिल करने का अभियान सुनियोजित ढंग से एक रणनीति के तहत चलाया जा रहा है। जिस प्रकार से कांग्रेस से नेता भाजपा में जा रहें है, उससे तो ऐसा लगता है की यह श्लोगन कांग्रेस मुक्त भारत के स्थान पर भाजपा युक्त कांग्रेस होता जा रहा है। जिस तेजी से भाजपा का कांग्रेसीकरण हो रहा है। उससे तो यह लगता है की कांग्रेस और भाजपा में कोई अंतर नहीं है। दोनो ही एक ही थैली के चट्टेझबट्टे है। लोकसभा चुनाव के दौरान देश भर में कांग्रेस सहित अन्य राजनैतिक पार्टियों के नेताओं का भाजपा में जाने का सिलसिला बढ़ने लगेगा। बेशक राजनीतिक दलों से जुड़ाव का सबसे बड़ा कारण उस दल की विचारधारा है। देश में दल तो बहुत है, किंतु प्रमुख राजनीतिक दल के रूप भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस है। जो देश का सबसे पुराना राष्ट्रीय दल है। कांग्रेस की विचारधारा धर्मनिरपेक्ष होकर देश में सभी धर्म, जाति, भाषा का सम्मान करते हुए राष्ट्रीय एकता स्थापित करने की रही है। कांग्रेस अब भी इस विचारधारा पर कायम है। भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कांग्रेस आजादी की लड़ाई में अंग्रेजी हुकूमत से लड़ने वाला प्रमुख संगठन था। महात्मा गांधी, जवाहर नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, सरदार वल्लभ भाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, नीलम संजीव रेड्डी, डा राजेंद्र प्रसाद, पंडित शंकर दयाल शर्मा, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, सोनिया गांधी, राहुल गांधी इस संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे है। मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के 89 वें राष्ट्रीय अध्यक्ष है। कांग्रेस का अपना गौरवशाली इतिहास है, राजनैतिक दल के रूप में कांग्रेस ने लंबे समय देश पर शासन किया यूं कहें कि सबसे अधिक समय तक देश की सत्ता में कांग्रेस रही। कांग्रेस को देश की राजनीति में विचारधारात्मक रूप से भाजपा से कठिन चुनौती मिली है। राजनीतिक समीक्षकों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी का वर्तमान समय स्वर्णिमकाल है। देश की सता पर विराजित भाजपा के इतिहास को समझने के लिए भारतीय जनसंघ के इतिहास को समझना होगा। अखिल भारतीय जनसंघ की स्थापना 21 अक्तुम्बर 1951 में दिल्ली में हुई थी। श्यामाप्रसाद मुखर्जी, बलराज मधोक और दीनदयाल उपाध्याय जनसंघ के स्थापक सदस्य रहे है। जनसंघ की विचारधारा एकात्म मानववाद से जुड़ी रही है। जनसंघ का 1977 में जनता पार्टी और अन्य दलों में विलय हो गया। जनसंघ के पद चिन्हों को पुन सयोंजित कर 1980 में भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ। भाजपा 1984 के आम चुनाव में मात्र 2 लोकसभा सीटों पर ही विजय हो पाई थी। 1998 में भाजपा के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का निर्माण हुआ। अटलबिहारी वाजपेई के नेतृत्व में सरकार बनी जो एक वर्ष का कार्यकाल ही पूरा कर पाई। इसके बाद अटलजी के नेतृत्व में सरकार बनी जिसने अपना कार्यकाल पूर्ण किया। वर्तमान की फायर ब्रांड भाजपा का उदय गुजरात के मुख्यमंत्री देश के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के पदार्पण से हुआ। 2014 के आम चुनाव में भाजपा और राजग को भारी सफलता मिली। तब से अब तक भाजपा का कारवां बढ़ता जा रहा है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

व्यंग्य

प्रॉमिस डे के चोंचले

डॉ. सुरेश कुमार

सुनते हो प्रॉमिस डे, तुम मेरे लिए रोमांटिक छुट्टी हो। जहाँ लोग पल भर में प्यार और प्रतिबद्धता के बड़ी घोषणाएँ करते हैं। यह दिन गुलाब, चॉकलेट को पछाड़कर वादे से भरा होता है, जो या तो की जाती हैं या फिर नहीं की जाती हैं। जब मैं इन सब पर विचार करता हूँ, तो मैं इस दिन की प्रतिबद्धताओं के प्रति हास्य देखने से बच नहीं सकता। प्रॉमिस डे के दिन प्रेमी-प्रेमिका की जोड़ी बड़ी सुंदर लगती है। बाकी दिनों में भी लगती है, लेकिन इस दिन इनके बीच प्यार का कीड़ा बड़ा मचलता रहता है। जोड़ों के बीच मीठी बातों का आदान प्रदान करने के बाद आर्थिक वचन देना शुरू करते हैं। वे वादा करते हैं कि वे हमेशा एक दूसरे को प्यार और सम्मान करेंगे, कालाजादू के बावजूद मजबूत रहेंगे और हमेशा एक-दूसरे के दिल में रहेंगे। यह सब इतना छूने वाला होता है कि यह हृदयग्राही होता है। आपको महसूस होता है कि ये वादे अक्सर उतने ही कमजोर होते हैं, जितना कि समुंदर किनारे रेत पर लिखे जाते हैं।

प्रोमिस डे की विडंबना यह है कि यह एक दिन केवल और केवल प्रॉमिस करने के लिए समर्पित होता है, जो अक्सर तोड़ने के लिए किए जाते हैं। कितनी बार हमने किसी से यह वादा करते हुए सुना है, कि वह हमारे लिए वहां रहेंगे, लेकिन जब हमें उनकी सबसे अधिक जरूरत होती है, तो वे गायब हो जाते हैं? या फिर अविनाशी प्यार का वादा करते हुए, समस्या के पहले ही दरवाजा बंद कर देते हैं? इस दिन वादों की अंतहीन श्रृंखला की झड़ी लगी रहती है। लोग वादा करते हैं कि वे अपने साथियों को भव्य छुट्टियों पर ले जाएंगे, उन्हें महंगे उपहार देंगे, जैसे मधुशाला की बोतलें। यह सब इतना अत्यधिक और बेतुका होता है, खासकर जब आप जानते हैं कि ये वादे अक्सर बस प्रभाव डालने के लिए खाली शब्द भर होते हैं, वादा पूरा करने के लिए नहीं। शायद प्रोमिस डे का सबसे बेतुका पहलू यह है कि वह लोगों पर जोर डालता है वादे करने और पूरा करने का। इसमें यह उम्मीद है कि आपको अपने प्यार और प्रतिबद्धता को सबसे अधिक बड़े तरीके में घोषणा करनी होगी, काश आपकी भावनाओं की सत्यता आपके वादे के आकार से मापी जा सकती।

हिंसक किसान आंदोलन के निहितार्थ

आर.के. सिन्हा

मरने-मारने के अंदाज में किसान एक बार फिर से सड़कों पर उतर आए हैं। चुनावी माहौल गर्म होते ही वे दिल्ली को घेरने के इरादो पर डटे दिखते हैं। पंजाब से दिल्ली आ रहे किसान हरियाणा में पुलिस से जगह-जगह पर बिना किसी बात के भिड़ रहे हैं। किसानों का 'दिल्ली चलो' मार्च हिंसक हो रहा है और अराजकता पैदा कर रहा है। यह सारा देश दिन भर टेलीविजन पर देख रहा है। सरकार से बातचीत करके कोई हल निकालने को किसान नेता मानने को तैयार तक नहीं हैं। वे तो चाहते हैं कि उनकी हरेक मांग को सरकार मान जाए। याद रखें कि किसानों की कुछ मांगों को मानना लगभग असंभव सा है। किसान नेता कह रहे हैं कि उनके 24 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ हो जाये । सरकारें किसानों के बहुत सारे लोन समय-समय पर माफ करती भी रहती हैं। पर सारे लोन माफ करना नामुमकिन ही है। क्या पैसा पेड़ों में लगा है जिसे सरकार तोड़ कर किसानों को दे देगी? किसानों को देश अन्न दाता मानता है, पर उन्हें भी ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए कि क्या उनकी मांगें सही हैं। जब चुकाने का इरादा ही नहीं था तो लोन लिया क्यों था ? बेईमानी करने के लिये ? इसके साथ ही किसान संगठन बार बार न्यूनतन समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर आंदोलन प्रदर्शन करते हैं। वे इस बार भी एमएसपी के लिए कानून बनाने समेत अन्य मांगों को लेकर दिल्ली आकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं। इनका कहना है कि स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों के अनुसार, एमएसपी लागू हो। अफसोस होता कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी किसानों की इस मांग का समर्थन करते हैं। स्वामीनाथन कमीशन ने 2006 में अपनी रिपोर्ट दी थी। तब डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केन्द्र में यूपीए सरकार सत्तासीन थी। यूपीए सरकार 2014 तक रही। सबको पता है कि उसके सर्वेसर्वा राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी ही थे। उन्होंने तब यूपीए सरकार पर दबाव डालकर स्वामीनाथन कमीशन की सिफारिशों को क्यों नहीं लागू किया। अब राहुल गांधी कह रहे हैं कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर स्वामीनाथन कमीशन के अनुसार न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जाएगा।

न्यूज फ्लैश

सरकारी स्कूल में महिला टीचर से छेड़छाड़

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। कस्बा तरावड़ी के सरकारी स्कूल की एक महिला टीचर ने अपने ही स्कूल के पीजीटी टीचर पर मेंटली और सेक्सुअली हैरेसमेंट के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला टीचर को आज से नहीं, बल्कि बीते 8 सालों से प्रताडित किया जा रहा है। पीड़िता ने प्राइवेट पार्ट्स तक छूने के आरोप पीजीटी अध्यापक पर लगाए हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी पीड़िता ने सवाल खड़े कर दिए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि वह कार्रवाई के लिए पुलिस के पास जाती है तो पुलिस उसे छेडखानी के सबूत लाने के लिए कहती है। हालांकि पुलिस का कहना है कि टीचर की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

32 वर्षीय पीड़िता का कहना है कि आरोपी टीचर ईशम सिंह की उम्र करीब 55 साल है और वह मेरे बाप की उम्र का है। वह 2014 से इस स्कूल में है और वह 2016 में स्कूल में आइटी ट्रेनर लगी थी। चूंकि आरोपी के पास डीडीओ का भी चार्ज रहता है और जब प्रिंसिपल स्कूल में नहीं होते तो स्कूल की इंचार्जशिप भी आरोपी के पास ही होती है। अपनी पावर का वह गलत इस्तेमाल करता है और बेवजह का दबाव बनाकर छेडखानी करता है। यहां तक कि अश्लील हरकतें करने से भी पीछे नहीं हटता।

पीड़िता का आरोप है कि जब से वह स्कूल में लगी है, उसके बाद से ही वह उसे मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान करता आ रहा है। आरोपी जबरन अपने साथ सेटिंग करने के लिए दबाव बनाता है। बेवजह के मैसेज भेजता रहता है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे स्कूल में जबरन रोका और तरावड़ी बस स्टैंड तक छोड? के लिए अपनी गाड़ी में बैठा लिया। गाड़ी में भी अश्लील हरकतें की। जब विरोध किया तो मुझे धमकी दी गई कि तुम मेरा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकती। अगर तुम शिकायत करोगी तो तुम पर एसिड फेंकवा दूंगा और तुम नौकरी करने लायक नहीं बचोगी।

पीड़िता का आरोप है कि एक दिन प्रिंसिपल स्कूल में नहीं आए थे और उस दिन आरोपी ही इंचार्ज था। आरोपी ने मेरा हाथ पकड़ा और बोला कि छुट्टी एडजस्ट करवानी है क्या? फिर मैंने उसका विरोध किया और कहा कि मुझे मेरी नौकरी करने दो। लेकिन उसके बाद से ही आरोपी मुझे टॉर्चर करने के तरीके ढूंढता रहता है और गलत नजर से घूरता रहता है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देता है।

ऐसा नहीं है कि पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ डिपार्टमेंट को कोई शिकायत न की हो, लेकिन उसके बावजूद भी उसे ही चुप रहने और शांति बनाए रखने के लिए कहा जा रहा है। पीड़िता का आरोप है कि मैंने उच्चाधिकारियों को शिकायतें की थी, लेकिन आरोपी ने अपनी पावर का इस्तेमाल करके शिकायतों की रिपोर्ट को दबवा दिया। आरोपी मुझे नौकरी से निकलवाने की धमकी देता रहता है।

पीड़िता का कहना है कि वह मानसिक रूप से ज्यादा परेशान हो चुकी है। उसने पुलिस को भी शिकायत की, लेकिन पुलिस कह रही है कि एविडेंस लाओ। हालांकि यह मामला प्रिंसिपल के संज्ञान में भी लाया था। वहीं प्रिंसिपल का कहना है कि टीचर ने मुझे कोई शिकायत नहीं की। टीचर ने सीधे पुलिस को ही शिकायत की है।

तरावड़ी थाना के प्रभारी मनीष कुमार ने बताया कि पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 354, 354ए, 354डी, 341, 506 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस इस मामले में हर पहलू पर गहनता से जांच कर रही है।

मोदी की गारंटी के अनुसार जनता के घर तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभः संजय भाटिया

203 वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को वितरित किए जीवन सहायक उपकरण

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार की ओर से राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के लिए जीवन सहायक उपकरण वितरण समारोह का आयोजन स्थानीय जिला रेडक्रॉस सोसाईटी के परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सांसद संजय भाटिया ने शिरकत की और उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांसद संजय भाटिया ने अपने संबोधन में कहा कि बुजुर्गों के संघर्ष व आशीर्वाद के कारण ही सभ्य समाज की स्थापना हुई है और देश व प्रदेश तरक्की के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बुजुर्गों के स्वस्थ जीवन और लंबी आयु की कामना की। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों को सुझाव दिया कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुसार सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों के घर तक पहुंचाएं। सांसद ने इस कार्यक्रम में एलिम्कों की ओर से करीब 203 नागरिकों एवं दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, कान की मशीन, कम्बोड़ चेयर, कमर की बैल्ट, छड़ी, वॉकर, घुटने का ब्रेस, चश्मा इत्यादि वितरित किए गए। कार्यक्रम में एलिम्कों कानपुर के प्रतिनिधि संजय गिरि ने बताया कि एलिम्को तथा जिला रेडक्रॉस सोसाईटी के सहयोग से वर्ष 2022-2023 में वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर आंकलन शिविरों का आयोजन किया गया था, जिसमें लगभग 700 व्यक्तियों को चयनित किया गया था। वर्ष 2023 में एलिम्कों द्वारा तिपहिया साईकिल, तिपहिया मोटराइज्ड साईकिल, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर तथा कृत्रिम अंग इत्यादि वितरित किए गए थे, जिन पर लगभग 2 करोड़ 10 लाख रूपए की राशि खर्च हुई थी।

एक हजार छात्रों को एल्बेनडाजोल टैबलेट खिलाई गई

पानीपत/कमाल हुसैन

एसडी पीजी कॉलेज में नेशनल डीवोर्मींग डे राष्ट्रीय कृमी दिवस पर कॉलेज एनएसएस यूनिट्स और सिविल हॉस्पिटल के सहयोग से लगभग एक हजार छात्र एवं छात्राओं को डीवोर्मींग की एल्बेनडाजोल टेबलेट खिलाई गई। कॉलेज एनएसएस यूनिट के तत्वाधान में आयोजित अभियान में स्वयंसेवकों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और झुग्गी-झोपडि?ों में जाकर वहां पर रह रहे बच्चों को भी यह टेबलेट वितरित की। कार्यक्रम का विधिवत आरम्भ कॉलेज प्राचार्य डॉ.अनुपम अरोड़ा ने बच्चों विशेषकर छात्राओं को प्रेरित करने हेतु स्वयं एक टेबलेट खाकर किया । इस अवसर पर एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर डॉ.राकेश गर्ग, डॉ.संतोष कुमारी, प्रो.मनोज कुमार उपस्थित रहे। जिन्होनें छात्र.छात्राओं को डीवोर्मींग के फायदों के बारे में विस्तार से बताया और उनके मन में व्याप्त शंकाओं का निवारण किया।

स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया

पानीपत/कमाल हुसैन

जीटी रोड स्थित स्थानीय आई बी पी जी महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग, एन सी सी तथा एनएसएस इकाई द्वारा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया । महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार गर्ग जी ने 17 से 19 वर्ष के लगभग 600 विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई । उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि यह मुहिम सरकार द्वारा लगभग सभी स्कूलों व कॉलेज में 15 फरवरी 2024 से 20 फरवरी 2024 तक चलाई जा रही है । इस गोली के सेवन से पेट की बीमारियों को दूर किया जा सकता है । निरोगी काया इंसान का पहला सुख होता है । इसके चलते-प्रति दिन योग व व्यायाम करना चाहिए । फास्ट फूड के बजाय पौष्टिक भोजन का सेवन करना चाहिए। एनएसएस के स्वयंसेवकों व एनसीसी के कैडेट्स ने अलग-अलग कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों को यह टेबलेट खिलाई। एनएसएस एनसीसी के अध्यक्ष डॉ योगेश व लेफ्टिनेंट राजेश कुमार जी ने कहा कि इस गोली के सेवन से पेट में यदि कोई समस्या है तो वह ठीक हो जाती है।

राजेश खन्ना ने दो गोल्ड मेडल सहित जीते चार पदक

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। करनाल के होनहार एथलीट राजेश खन्ना ने 5वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2024 में 4 पदक हासिल किए हैं। उन्होंने 4 गुणा 100 मीटर रिले रेस में और 4 गुणा 400 मीटर रिले रेस में गोल्ड मेडल और 2 ब्रांज मेडल 200 मीटर और 400 मीटर रेस में 50 प्लस केटेगरी में जीते। यह प्रतियोगिता हैदराबाद (तेलंगाना) में 8 फरवरी से 11 फरवरी को संपन्न हुई। इसमें 22 राज्यों की टीमों के 2500 खिलाडियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में हरियाणा तीसरे स्थान पर रहा है। राजेश खन्ना की इस उपलब्धि से खुशी का माहौल है। राजेश खन्ना भारतीय वायु सेना से रिटायर्ड हैं। फिलहाल वह एल्डिको कंपनी पानीपत में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

सरपंच एसोसिएशन ने किया किसानों का समर्थन

गांव में नहीं होने देंगे भाजपा-जजपानेताओं की एंट्री, करेंगे बहिष्कार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

हरियाणा सरपंच एसोसिएशन ने किसानों का समर्थन कर दिया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रणबीर सिंह ने कहा कि किसानों के साथ सरकार द्वारा ज्यादती की जा रही है। एसोसिएशन किसानों के साथ है और मीटिंग करके फैसला लिया गया है कि किसी भी पंचायत में न तो भाजपा के नेता और न ही जजपा के नेता को घुसने दिया जाएगा। इनका बहिष्कार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें हाईकोर्ट पर पूर्ण विश्वास है कि किसानों के हक में फैसला होगा। कोर्ट से भी अनुरोध है कि किसानों को प्रदर्शन करने का अधिकार दिया जाए, ताकि वे सरकार से अपनी मांगों को मनवा सकें। उन्होंने किसान संगठनों से भी आह्वान किया है कि किसानों का साथ दें, क्योंकि 70 प्रतिशत आबादी में किसान और मजदूर ही हैं, लेकिन सरकार इन पर अत्याचार कर रही है और इनके साथ खड़े हों।

उन्होंने बताया कि हरियाणा का शंभू बॉर्डर किसानों और पुलिस फोर्स के लिए किसी जंग के मैदान से कम नहीं है। दो दिन से पुलिस ने अपने इंतजामों के बल पर किसानों को शंभू बॉर्डर पर ही रोका हुआ है।

किसान बैरिकेडिंग तोडने की कोशिश करते हैं, लेकिन उसी दौरान टियर गैस किसानों के मंसूबों को नेस्तनाबूद कर देती है। शंभू बॉर्डर के बाद शाहबाद के पास भी पुलिस प्रशासन ने किसानों के लिए पक्का नाका लगा दिया है।

केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से हर वर्ग हो रहा लाभान्वितः रामकुमार कश्यप

गांव कुंजपुरा में 2.50 एमएलडी मल शोधन संयंत्र व सीवरेज एवं पानी की लाईन बिछाने के कार्य का किया शिलान्यास

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस

इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप ने वीरवार को गांव कुंजपुरा में महाग्राम योजना के अंतर्गत जन-स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हरियाणा की ओर से 2.50 एमएलडी मल शोधन संयंत्र व सीवरेज एवं पानी की लाईन बिछाने के कार्य का शिलान्यास किया। इस कार्य के पूरा होने पर करीब 25 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। विधायक रामकुमार कश्यप ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उक्त परियोजना के पूरा होने से कुंजपुरा गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल तथा सीवरेज की सुविधा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि उक्त परियोजना के अंतर्गत पीने के पानी के पाईप लाईन कार्य पर 5 करोड़ रुपए तथा 20 करोड़ रुपए की राशि से मल शोधन संयंत्र का निर्माण कार्य करवाया जाएगा। हरियाणा सरकार की महाग्राम योजना से अब गांव के लोगों को भी शहर जैसी मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से हर वर्ग लाभान्वित हो रहा है। आज विश्व के दूसरे देश भारत की ओर मदद की दृष्टिद से देखते हैं। केन्द्र सरकार की नीतियों एवं योजनाओं की विश्व के दूसरे देशों में सराहना हो रही है। इससे हर भारतीय का दुनिया में मान-सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में सरकार ने प्रदेश में विकास एवं जनहित नीतियों को लागू करके नित नए-नए आयाम स्थापित कर बड़ा ही कीर्तिमान स्थापित किया है।

सम्मान

8 विश्व के दूसरे देशों में सराहना हो रही है। इससे हर भारतीय का दुनिया में मान-सम्मान बढ़ा

इस मौके पर ब्लॉक समिति चैयरमैन रूप कुमार, सरपंच प्रतिनिधि महेंद्र सिंह, पूर्व चैयरमैन ईलम सिंह, पूर्व सरपंच विजय कुमार, निशांत पाहवा, ब्लॉक समिति सदस्य रमेश, सुशील राणा, दीपक वर्मा, अंकुश खन्ना, शुभम उप्पल, सुरेंद्र वजीदपुर, राजेश प्रजापति प्रधान, कर्मबीर कल्याण महामंत्री, एसडीओ पब्लिक हैल्थ गौरव, सतीश राणा मैनमती, रामलाल वाल्मीकि, सविता चौधरी सेक्रेटरी, पंकज चावला सरपंच जडौली, इंद्राज कश्यप मौजूद रहे।

ईमानदारी से भ्रष्टाचार खत्म करें शीर्षक पर हुई चित्रकला प्रतियोगिता

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा राजकीय कन्या विद्यालय रेलवे रोड में भ्रष्टाचार मुक्त भारत-ईमानदारी से भ्रष्टाचार खत्म करें, शीर्षक पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ. निशा गुप्ता, राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ एंव राखी गर्ग, राष्ट्रीय मुख्य निदेशक, महिला प्रकोष्ठ की देखरेख में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय सुप्रीमो नरेंद्र अरोड़ा व राष्ट्रीय महासचिव पवन शर्मा ने की। प्रतियोगिता में सौ प्रतिभागियों ने भाग लिया। निर्णायक मंडल डॉ निशा गुप्ता, राखी गर्ग व शैली शर्मा ने सत्यनिष्ठा से अपना रिजल्ट निकाला। प्रथम पुरस्कार इकत्तीस सौ रुपए सलोनी, द्वितीय पुरस्कार इक्कीस सौ रुपए जिया व तृतीय पुरस्कार ग्यारह सौ रुपए तान्या को मिला, सभी प्रतिभागियों को उपहार एंव सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।

नरेंद्र अरोड़ा ने कहा कि फाउंडेशन द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन जागरूकता के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के प्रोजेक्ट आयोजित किए जाते हैं, जिससे लोग जागरूक होते हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से बच्चों में सच्चाई व ईमानदारी की भावना जागृत होती है। इस अवसर पर मुख्य रूप से कृष्णा गुप्ता, सावी चौधरी, अजीत राही, शैली शर्मा, सतीश मल्होत्रा, कविता मल्होत्रा, डॉ. अमरजीत कौर कोहली, अनिल कुमार मदान, फिरदौस अली, अनीता शर्मा भारद्वाज, नमना अहलावत, डॉ. हर्ष सेठी, डॉ. स्वर्णलता काठपाल, रेखा, ममता, मधु पाठक, हरप्रीत कौर, मुकेश कुमार हरजिंदर कौर आदि उपस्थित रहे।

गणित व विज्ञान सी.पी. एस ओलम्पियाड में ओम शांति स्कूल के छात्र सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/राई।

ओम शांति शिक्षा सदन में आयोजित कार्यक्रम में गणित व विज्ञान सी.पी. एस ओलम्पियाड के विजेता प्रतिभागियों को पदक व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता ने बताया कि ओलंपियाड की परीक्षा नवंबर माह में आयोजित हुई थी, जिसमें स्कूल के छात्रों ने गणित व विज्ञान विषय में भाग लिया था। गणित विषय में 13 स्वर्ण पदक, 28 रजत पदक एवं कास्य पदक औरविज्ञान विषय में 12 स्वर्ण पदक, 8 रजत पदक, 9 कांस्य पदक जीतकर स्कूल का नाम रौशन किया। विजेता छात्रों को स्कूल के निदेशक योगराज भारद्वाज व प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता ने पदक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

चोरों ने बंद मकान के ताले तोड़ लगाई सेंध

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। करनाल में चोरों ने एक मकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर अलमारी के ताले तोडकर करीब 12.50 लाख के गहनों पर हाथ साफ कर गए। घटना के वक्त घर पर कोई नहीं था। मकान मालिक अपनी पत्नी के साथ बेटी को दिल्ली एयरपोर्ट पर छोड? के लिए गए हुए थे। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुंडला गेट निवासी राजेंद्र कुमार माटा की बेटी कनाडा में जॉब करती है। इंद्री में राजेंद्र की बहन के बेटे की शादी थी और वह भी शादी में हिस्सा लेने के लिए कनाडा से आई हुई थी। राजेंद्र कुमार ने बताया कि 14 फरवरी को उसकी बेटी की फ्लाइट थी। चूंकि किसान आंदोलन के कारण रास्तों को डायवर्ट किया गया है, इसलिए वह 12 फरवरी की देर रात सवा 10 बजे ही अपनी बेटी को दिल्ली एयरपोर्ट पर छोडने के लिए रवाना हो गए थे। राजेंद्र ने बताया कि वह 14 फरवरी की शाम को घर लौट आए थे। जैसे ही उन्होंने घर में एंट्री की तो घर के ताले टूटे मिले। वह दौडकर ऊपर वाले कमरों में पहुंचे। जहां अलमारी का ताला टूटा हुआ था और लॉकर का भी ताला टूटा पड़ा था। लॉकर के अंदर 20 तोले सोने के आभूषण व 500 ग्राम चांदी थी, जिसमें चांदी के सिक्के व मूर्ति शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कुछ कैश भी अलमारी में रखा हुआ था, उसे करीब साढ़े 12 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है। उसने बताया कि वह ऊपर वाले कमरों में मोटे-मोटे ताले लगाकर गया था, लेकिन ताले ही गायब मिले और मेन गेट का भी ताला नहीं मिला। चोर तालों को भी अपने साथ लेकर गए हैं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि वह प्राइवेट जॉब करता था और रिटायर्ड हो चुका है, जबकि उसकी पत्नी प्राइवेट स्कूल में जॉब करती है और बेटा मोहाली में जॉब करता है, जबकि बेटी कनाडा में जॉब कर रही है। बेटी की शादी के लिए गहने रखे हुए थे, ताकि शादी के वक्त यह काम आ सकें।

सर्वकर्मचारी संघ ने किया प्रदर्शन बाइक रैली निकालकर किया किसानों का समर्थन

महासंघ से जुड़े कर्मचारियों ने करनाल में बाइकों के काफिले के साथ रोष प्रदर्शन किया

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। हरियाणा सर्व कर्मचारी महासंघ ने किसानों के समर्थन में 16 फरवरी को भारत बंद का ऐलान किया है। महासंघ से जुड़े कर्मचारियों ने करनाल में बाइकों के काफिले के साथ रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों के लिए आवाज उठा रहे हैं, लेकिन सरकार ने कर्मचारियों की आज तक कोई सुनवाई नहीं की। जिससे रोषित कर्मचारियों ने भारत बंद का ऐलान कर दिया और कल होने वाली हड़ताल के लिए सरकारी कर्मचारियों को प्रेरित किया जाएगा।

बिजली विभाग के दफ्तर से महासंघ ने अपनी बाइक रैली शुरू की। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। बाइक रैली अलग-अलग विभागों के कार्यालयों में पहुंचकर कर्मचारियों को भारत बंद का न्योता दिया जाएगा।

महासंघ के नेताओं का कहना है कि संयुक्त किसान मोर्चा और ट्रेड यूनियन के आह्वान पर अपनी मांगों को लेकर भारत बंद का ऐलान किया गया है। किसानों ने कहा है हम भारत बंद करेंगे, उसी प्रकार कर्मचारियों की फेडरेशन हड़ताल करेगी। चाहे इसमें केंद्र सरकार से जुड़ा कर्मचारी हो या फिर राज्य सरकार से जुड़ा कर्मचारी हो। हम सभी मिलकर हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि हड़ताल का कारण सरकार की नीतियां है।

विरोध

8 भारत बंद का ऐलान कर दिया और कल होने वाली हड़ताल के लिए सरकारी कर्मचारियों को प्रेरित किया जाएगा

महासंघ के नेता सुशील गुर्जर ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के विरोध में, मजदूरों के विरोध में और किसानों के विरोध में नीतियां तैयार करती है। चाहे वह शिक्षा नीति की बात हो या फिर ट्रांसपोर्ट बिल की बात हो। सरकार लगातार ऐसी नीतियां लेकर आती है, जो कर्मचारियों या फिर किसानों के गले नहीं उतरती। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार निजीकरण करती आ रही है, कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जा रहा और सरकारी ढांचे को खत्म करने का मन सरकार बना चुकी है। जिसको लेकर अब हमारी यूनियन एक दिन की हड़ताल करेगी और प्रदर्शन करेगी।

तीन बच्चों की मां प्रेमी संग फरार

टीम एक्शन इंडिया/करनाल/राजकुमार प्रिंस। करनाल के सदर थाना क्षेत्र में तीन बच्चों की मां प्रेमी संग फरार हो गई। विवाहिता के पति ने गांव के युवक पर ही पत्नी को बहला फुसलाने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने बताया कि 6 साल पहले उसकी शादी हुई थी। पति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज महिला की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़ित पति ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि शादी के बाद उनको तीन बच्चे हुए हैं। हमारा किसी भी प्रकार का कोई लड़ाई-झगड़ा नहीं था। लेकिन गांव के आरोपी युवक व उसके परिवार के लोगों ने उसकी पत्नी को बहलाया फुसलाया है। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बुधवार को वह हर रोज की तरह सुबह काम पर गया था। घर पर उसकी पत्नी व बच्चे थे। शाम को करीब 7 बजे जब वह घर पर आया तो तीनों बच्चे घर पर अकेले थे और रो रहे थे। लेकिन उसकी पत्नी घर नहीं थी। इसके बाद उसकी तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। अपनी पत्नी को सभी जगह तलाश करने के बाद जब वह आरोपी के घर गया तो वह घर पर नहीं था और उसका फोन भी बंद आ रहा है। आरोपी के परिवार के लोगों ने मिलकर ही उसकी पत्नी को युवक के साथ भेजा है।

तलाश

8 पीड़ित पति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है

पीड़ित पति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपी युवक की मां, दादी, चाचा, चाची व दादा को पता है कि आरोपी उसकी पत्नी को लेकर कहां गया है। पीड़ित ने पुलिस से युवक के परिजनों से सख्ती पूछताछ करने की गुहार लगाई है, ताकि उसकी पत्नी बच्चों के पास वापस घर आ सके। सदर थाना के जांच अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि पीड़ित पति की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। जल्द ही महिला का पता लगा लिया जाएगा।

सुझाव

काजल लगाते समय अपनाएं ये 5 टिप्स

ठहर जाएंगी सबकी नजरें आप पर

अच्छे आई मेकअप के बगैर आपका लुक कंप्लीट नहीं होगा। आई मेकअप की बात करें तो सबसे पहले बात काजल लगाने की आती है। काजल लगाना भी एक आर्ट है जो सबके बस की बात नहीं। ज्यादातर महिलाएं काजल को साधारण तरीके से ही लगाती हैं। पर इन टिप्स को अपना कर आपके आंखों की खूबसूरती और बढ़ जाएगी।

टोनर से साफ करें चेहरा

काजल लगाने से पहले बहुत जरूरी है कि आप अपना चेहरा टोनर से साफ कर लें। इससे त्वचा पर मौजूद तेल साफ हो जाएगा और काजल नहीं फैलेगा। पसीने से बचने के लिए चेहरे और आंखों के आसपास बर्फ भी रगड़ सकती हैं।

काजल को करें सेट

काजल को फैलने से बचाने के लिए उसे सेट कर लें। इसके ब्लैक आईशैडो पाउडर का इस्तेमाल करें। काजल का आप रोजाना यूज करती हैं तो आंखों के नीचे ट्रांसलूसेंट पाउडर लगाएं। इससे काजल लंबे समय तक टिका रहेगा।

बाहरी कोनों पर लगाएं पाउडर

लंबे समय तक काजल टिकी रहे इसके लिए अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर अच्छी तरह पाउडर लगाएं। इससे आंखों के बाहरी कोने ड्राई हो जाएंगे। अब काजल लगाएं। काजल लगाने के बाद आईलिड पर जरा सा न्यूट्रल कलर का आईशैडो ब्रश से फैला लें। इससे काजल जल्दी सूख जाएगा और टिका रहेगा।

लॉन्ग स्टे काजल लगाएं

अगर आंखों की खूबसूरती बरकरार रखनी है तो लंबे समय तक टिके रहने वाले काजल लगाएं। इससे आप जो भी आई मेकअप करेंगी, उसमें आपका लुक निखरकर सामने आएगा। काजल हमेशा अच्छी कंपनी का ही लगाएं।

काजल लगाने के बाद आईशैडो लगाएं

काजल लगाने के बाद वाटर लाइन के बाहर हल्का सा आईशैडो लगाएं। आईशैडो ब्रश से इसे हल्का सा मर्ज कर लें। इससे काजल फैलेगा नहीं और आंखें बहुत खूबसूरत दिखेंगी।

माताओं की नींद उड़ा देता है

निकालें खुद के लिए भी वक्त

मां बनें सुपर मॉम नहीं

दुनिया में एक नई जिंदगी लाने की खुशी अतुलनीय है, लेकिन नई जिंदगी को निखारना-संवारना-सहेजना 24 घंटे की नौकरी जैसा है। इसमें अभिभावक, खासतौर पर नई मां, थककर चूर हो जाती हैं। इसी साल की शुरुआत में किए गए एक अध्ययन से इस बात की पुष्टि हुई है कि बच्चा जब रोते, पैर पटकते इस दुनिया में कदम रखता है तो दोनों अभिभावकों, खासतौर पर मां के लिए यह एक मुश्किल भरा दौर होता है।

अध्ययन में पाया गया कि बच्चे के जन्म के बाद दोनों अभिभावकों की नींद की अवधि कम हो जाती है। अध्ययन के मुताबिक, मां तो हर रात एक घंटे की नींद खोती है। यह सिलसिला बच्चे के तीन माह का होने तक चलता रहता है।

फिर चाह बच्चे को स्तनपान कराती हो या नहीं कराती हो। इसकी तुलना में पिता की हर रात की 15 मिनट की ही नींद कम होती है। शिशु की देखभाल एक बहुत ही मुश्किल काम है। लेकिन जब आपकी नींद भी पूरी न हो पा रही तो यह चुनौती और बड़ी लगने लगती है। नींद की कमी के कारण महिलाओं में कार्डियो वेस्कुलर बीमारी का खतरा बढ़ जाता है सो अलग।

कुछ चतुराई भरे रचनात्मक विकल्प इन नई मम्मियों को नींद को पूरा करने में और स्वास्थ्य सुधारने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप नई मां बनी हैं तो इस बात को समझने की कोशिश कीजिए कि आप बच्चे की नींद के वक्त, अवधि पर नियंत्रण नहीं कर सकतीं। बच्चों का आधी रात को उठकर रोना और उन्हें भूख लगना, बार-बार पेशाब करना बिलकुल कुदरती प्रक्रिया है। मदद लीजिए और जब आपके भरोसे के लोगों से मिल रही हो तो बेहिचक उसका स्वागत कीजिए। अपने साथी या परिवार के अन्य सदस्यों से बच्चे का कुछ देर ख्याल रखने के लिए कहिए ताकि आप अपनी नींद पूरी कर सकें।

उपाय

सुबह की हवा खाइए: बच्चे की देखभाल का एक मतलब होता है आप अपना भी ख्याल रखें। हमेशा चौकन्ने और सक्रिय रहें। अपने वॉकिंग शूज को आराम का मौका मत दीजिए। सुबह उठकर उन्हें पहनें और सैर के लिए निकल पड़ें। कुछ चलिए, कुछ स्ट्रेचिंग कीजिए, सूरज की धूप और सुबह की ताजी हवा का मजा लीजिए। इससे आपको सुकून मिलेगा और तनाव कम होगा।

खुद के लिए वक्त निकालिए: अपनी बेहद पसंदीदा शौक की ओर लौटिए। बच्चे का ख्याल रखते हुए भी आप इसे पूरा कर सकती हैं। अगर आप काम से मातृत्व अवकाश पर हैं तो किसी नए कौशल को सीखने या नई किताबों को पढ़कर खुद को व्यस्त रखिए। निश्चित तौर पर इसका यह मतलब नहीं है कि आपको बहुत खाली वक्त मिल रहा है।

बच्चे के भोजन और डायपर बदलने में वक्त पंख लगाकर उड़ने लगता है। इसलिए जरूरी है कि बीच के वक्त में आप खुद के लिए कम से कम 20 मिनट का वक्त तो निकाल ही लीजिए। ऐसा आपको बच्चे के भोजन, नैपी बदलने के बीच कम से कम तीन बार करना चाहिए। वक्त सिर्फ अकेले के लिए।

सोइए जब बच्चा सोए: बच्चा आपकी जरूरतों के मुताबिक एडजस्ट नहीं करेगा, आपको ही उसकी दिनचर्या के साथ तालमेल बिठाना होगा। इसलिए कामकाज की लिस्ट को कुछ देर के लिए परे रख दीजिए। जब बच्चा सो रहा हो तो आप भी नींद ले लीजिए।

15-30 मिनट्स की यह छोटी झपकियां आपको दिनभर तरोताजा रखेंगी। निश्चित ही यह रात के वक्त की आपकी नींद की कीमत पर नहीं किया जाना है। आपका साथी या परिवार का कोई अन्य सदस्य भी डायपर्स बदल सकता है। और अगर आप बिस्तर में जाने से पहले बच्चे को बोतल से दूध पिलाती हैं तो दूसरे भी ऐसा कर सकते हैं।

कैफीन से तौबा कीजिए: कुछ सुस्ताने के लिए कॉफी या चाय का एक गरमा-गरम प्याला एक अच्छा विकल्प लग सकता है। लेकिन बेहतर होगा यदि आप इसे केवल एक कप तक ही सीमित रखें। कॉफी में बहुत ज्यादा मात्रा में कैफीन होता है और कैफीन आपकी नींद उड़ा देता है। कॉफी के अतिरिक्त घूंट आपको आपकी बेशकीमती नींद से वंचित कर सकते हैं।

सेहत

बदलते मौसम में त्वचा की चमक रखेंगे बरकरार लहसुन के ये 5 उपाय

लगभग हर भारतीय रसोई में लहसुन मौजूद होता है। लहसुन के लाभ किसी औषधि से कम नहीं है। हालांकि कुछ लोग इसकी तीखी महक की वजह से खाने में इसका इस्तेमाल करने से बचते हैं, जबकि लहसुन में मौजूद कई एंटीऑक्सीडेंट्स गुण मधुमेह, हृदय रोग, पेट के संक्रमण के साथ त्वचा संबंधी कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। आयुर्वेद में तो त्वचा की रंगत निखारने के लिए लहसुन के हजारों उपयोग बताए गए हैं। लहसुन को अपने ब्यूटी रुटिन का हिस्सा बनाकर आप भी त्वचा और बालों से जुड़ी अपनी कई परेशानियों से छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

सौंदर्य निखारने के लिए अपनाएं लहसुन के ये 5 उपाय

- त्वचा में खाज-खुजली, जलन और लाल रैशेज होना आदि कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो लोगों को आए दिन परेशान करती हैं। अगर आप इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए दवा का उपयोग नहीं करना चाहती हैं तो लहसुन का प्रयोग कर सकती हैं। त्वचा में जहां भी आपको ऐसी समस्या हो रही है, वहां पर लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर लगा लें। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को दूध या मलाई में मिलाकर लगाने से भी त्वचा की हर तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है।

- पिंपल्स से छुटकारा पाने के लिए लहसुन का उपाय बेहद कारगर है। इसके लिए आपको सफेद सिरके में लहसुन का पेस्ट डालकर उसे अच्छी तरह से मिलाना है। अब इस पेस्ट को एक्ने पर लगाकर 10 मिनट बाद चेहरा धो लें। इसके अलावा एक कच्चे लहसुन की कली चबाएं और एक गिलास ठंडा पानी पी लें। ऐसा करने से आपको काफी लाभ होगा।
- लहसुन का उपाय आपको एंटी एजिंग और झुर्रियों से बचाए रखने में भी मदद करता है। लहसुन में भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो झुर्रियों से लड़ने में काफी मदद करते हैं। इससे बचने के लिए सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लहसुन की एक कच्ची कली नियमित रूप से खाकर भी बढ़ती उम्र को जवां रखा जा सकता है। इसके अलावा लहसुन के पेस्ट को किसी भी फल के रस या गुलाब जल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से भी झुर्रियां दूर होती हैं।
- लड़कियां ही नहीं लड़के भी कई बार ब्लैकहेड और वाइटहेड की समस्या से परेशान रहते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए आप हफ्ते में 2 बार अपने स्क्रब में लहसुन का पेस्ट या फिर उसका रस मिलाकर स्क्रब करेंगी तो आपकी यह परेशानी दूर हो जाएगी। इसके अलावा संतरे के छिलके के पाउडर में लहसुन का पेस्ट मिलाकर लगाने से भी ब्लैकहेड और वाइटहेड दूर होते हैं।
- त्वचा के बाद अगर बात बालों की करें तो उनका समय से पहले सफेद होना आजकल हर दूसरे व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। इससे बचने के लिए लहसुन के पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर गर्म कर लें और जब तक धुआं न निकले, गैस बंद न करें। अब इस पेस्ट को ठंडा कर अपने बालों की जड़ों पर लगाएं। सफेद बालों की समस्या दूर हो जाएगी।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। पारमर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में न पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी होगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मालूम न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। रक्तचाप, थकान, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अतः वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यवसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यावसायिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिवर्तन की संभावना है। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आय की सुविधा बात नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 1824

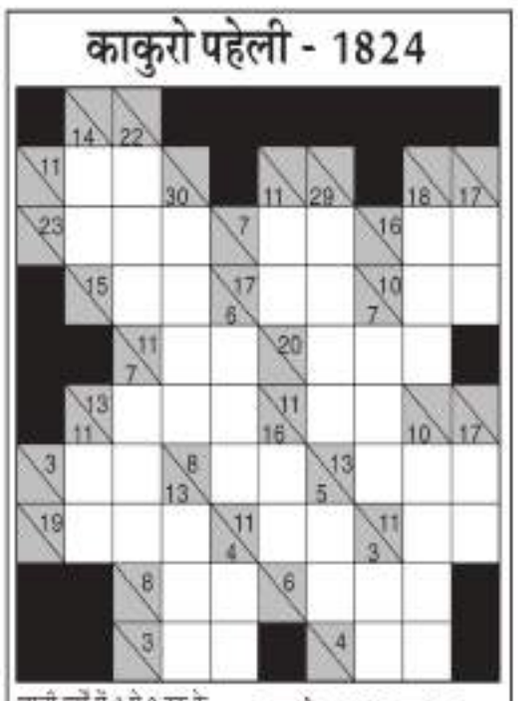

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आगे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

काकुरो - 1823 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक कंजूस अपने खेत में जा रहा था, अचानक उसे कांटा चुभ गया, वह बड़ी बहादुरी से कांटा निकालते हुए बोला, 'ईश्वर तेरा लाख-लाख धन्यवाद है कि मैं जूते पहनकर नहीं आया वरना मेरे अच्छे जूते में सूराख हो जाता.'

□ □ □

एक किरायेदार ने मकान मालिक से शिकायत की कि 'जनाब ये आपका मकान कैसा है? दिन-रात चूहों की भागदौड़ देखने को मिलती है.'

मकान मालिक ने कहा- 'तो क्या आप दस रुपये में घुड़दौड़ देखना चाहते हैं?'

□ □ □

मालकिन: कितनी बार कहा है कि सुबह छह बजे दूध दिया करो.

दूधवाला: हम छह बजे दूध नहीं ला सकते, छह बजे नल में पानी भी नहीं आता.

□ □ □

एक साहब को खाने के बाद उंगलियां चाटने की आदत थी, एक बार एक दावत में उन्होंने उंगलियां चाटनी शुरू कर दी, बाजू वाले साहब ने भी अपना हाथ आगे करके कहा- जरा इसे भी साफ कर दो.

□ □ □

जज जेबकतरे से- अच्छा बताओ तुमने भलाई का कोई काम किया?

जेबकतरे ने जवाब दिया- सर, हमीं लोगों के कारण पुलिस विभाग और अदालत में हजारों लोगों को रोजी-रोटी का सहारा मिला है.

फिल्म वर्ग पहेली - 1824

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से छूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल ने तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर कदम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, वैनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तस्वीर' गीत वाली देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, चाबली, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'अखियाँ बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, डिंपलसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, अर्शद, संजीव पुरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली मनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. मंजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-१
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती हैं' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. संजी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'पैसा मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-३
२७. शबाना आजमी, ओम प्रकाश अभिनीत बाल फिल्म-२
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'रसते' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1823

सूडोकु -1824

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1823 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1824

बाएं से दाएं

1. दयालु, उदार-5
4. गगन, आकाश-4
7. सरिता-2
8. चोगा, गाउन-3
9. छुट्टी, अवकाश-2
10. आबे हयात, काबा कूप-4
11. रिहा-2
13. खाना, भोजन करना-3
14. जिद-2
15. हिम्मत, बल-3
17. कारागार-2
19. दूसरे आश्रम, सूरी-5
22. दुत्कारना, डांटना-5
25. सरताेर-2
26. भोर, सवेरा-3
28. मूल्य, कीमत-2
29. महीन, बहुत छोटा-3
30. फूंक, दम, सुट्टा-2
32. झंकार, प्रतिध्वनि-4
34. उष्णता, ज्वर-2
36. ओट, चिलमन-3
37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर, सना हुआ-4
39. निर्माता, रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. कैदी, बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत, तैरता होटल-5
4. उर्दू में अधिवक्ता-3
5. चिट्ठी, नोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली, रिक्त-2
16. लाइन, पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-2
18. डर-2
20. दीनहीन, दरिद्र-3
21. लश्कर, फौज-2
22. नष्ट, अहितभाव-2
23. व्यवसाय, धंधा-4
24. नाम रखना-2,3
25. होशियार-5
26. सुर आलाप-2,2
27. अधिकार-2
31. प्रतिज्ञा-3
33. आकांक्षा, अभिलाषा-3
35. राह, मार्ग-2
37. टैक्स, हाथ-2

शब्द पहेली - 1823 का हल

इन खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य होगा रणजी ट्रॉफी खेलना

BCCI नहीं सहेगा किसी के नखरे

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सभी केंद्रीय अनुबंधित भारतीय खिलाड़ियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा है कि आगे से घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में भाग लेना इन खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट से पहले राजकोट में एक कार्यक्रम में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के घरेलू मैचों में भाग ना लेने के मुद्दे पर बात की और कहा कि बीसीसीआई किसी के नखरे नहीं सहने वाली है।जय शाह ने राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम का नाम निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम रखे जाने के बाद कहा, ‘उन्हें फोन पर पहले ही सूचित कर दिया गया है और मैं पत्र भी लिखने जा रहा हूं कि यदि आपके मुख्य चयनकर्ता, आपके कोच और आपके कप्तान इसके लिए कह रहे हैं तो आपको रेड बॉल क्रिकेट खेलना होगा। भारत इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दौरान कई खिलाड़ियों की चोटों और कुछ के उपलब्ध नहीं होने की

वजह से प्रभावित हुआ है।इस तरह की खबरें सामने आई हैं कि खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलना चाहते हैं और वे आईपीएल की तैयारियों में जुटे हैं। यहां तक कि उनके पास अन्य कोई कमिटमेंट नहीं है। जय शाह ने उल्लेख किया कि बीसीसीआई सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों, विशेषकर युवाओं से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के दिशानिर्देशों के अनुसार घरेलू क्रिकेट खेलने की उम्मीद करेगा। उन्होंने कहा, हमें एनसीए से जो भी सलाह मिलती है, मान लीजिए कि किसी का शरीर सफेद गेंद और लाल गेंद दोनों क्रिकेट को संभालने में सक्षम नहीं है, तो हम उस संबंध में कुछ भी थोपना नहीं चाहते।जय शाह ने आगे बताया, जो भी फिट और यंग है, उसके दूसरे नखरे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह संदेश सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए है। हर किसी को खेलना होगा, अन्यथा चयन समिति के अध्यक्ष ने मुझे अपने सुझाव दिए हैं और मैं उन्हें खुली छूट देने जा रहा हूं कि वे अपने फैसले स्वतंत्र रूप से ले सकें। गौरतलब है कि ईशान किशन ने पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले मानसिक थकानका हवाला देते हुए ब्रेक मांगा था और अभी तक खुद को चयन के लिए उपलब्ध नहीं कराया है। इस बीच उन्हें निजी तौर पर संभवतः आगामी आईपीएल सीजन की तैयारी के लिए पांड्या बंधुओं (हार्दिक पांड्या और कृणाल) के साथ छुट्टियां मनाते और ट्रेनिंग लेते देखा गया था।

हालांकि, जय शाह ने सीधे तौर पर उनका नाम लेने से परहेज किया, लेकिन कहा, वह एक युवा खिलाड़ी हैं उनके नाम का उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है। यह निर्देश अनुबंधित खिलाड़ियों सहित सभी घरेलू खिलाड़ियों पर लागू होता है। आगे चलकर सभी खिलाड़ियों के पास घरेलू क्रिकेट में भाग लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। बीसीसीआई सचिव ने भी इंग्लैंड सीरीज के लिए विराट कोहली की छुट्टी के अनुरोध का समर्थन किया। उन्होंने कहा, विराट के साथ कोई समस्या नहीं है। 15 साल के क्रिकेट करियर में अगर कोई एक सीरीज के लिए छुट्टी मांगता है तो यह उसका अधिकार है। विराट ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो बिना किसी वास्तविक कारण के छुट्टी लेंगे। हमें अपने खिलाड़ियों का समर्थन करने और उन पर भरोसा करने की जरूरत है।

विराट कोहली की छुट्टी पर खुलकर बोले जय शाह- 15 साल में अगर कोई पर्सनल लीव लेता है, तो यह उसका हक है

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से प्रेम किसी से नहीं छुपा है। विराट ने हमेशा से कहा है कि क्रिकेट में उनका फेवरेट फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट ही है। इतना ही नहीं विराट कोहली ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था और इसके बाद से उन्होंने बहुत कम टेस्ट मैच ही मिस किए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए जब भारतीय स्क्वॉड का ऐलान किया गया था, तो इसमें विराट का था, कुछ दिन बाद खबर आई कि विराट ने निजी कारण के चलते पहले दो टेस्ट मैचों से अपना नाम वापस ले लिया है। बाद में विराट ने बाकी तीन टेस्ट मैचों से भी बाहर रहने का फैसला लिया। विराट कोहली क्यों ब्रेक पर हैं, इसके बारे में किसी को नहीं पता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेक्रेटरी जय शाह ने पहली बार इस पर खुलकर बात की।

जय शाह से जब विराट कोहली की छुट्टी के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, विराट कोहली ऐसे खिलाड़ी ही नहीं हैं, जो बिना किसी कारण छुट्टी मांगेंगे। अगर कोई खिलाड़ी 15 साल में पहली बार पर्सनल लीव मांगता है, तो यह उसका हक है। हमें अपने खिलाड़ियों पर विश्वास रखना चाहिए और उन्हें ब्रेक करना चाहिए विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा को लेकर खबरें आई कि वह प्रेगनेंट हैं और विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं और इसी वजह से क्रिकेट पर ब्रेक पर हैं।

इसके कुछ दिन बाद एबी डिविलियर्स ने कहा कि विराट दूसरी बार पिता बनने वाले हैं और फैमिली के साथ अच्छा समय बिता रहे हैं।

पिता करगिल वॉर के हीरो, मां का गहना गिरवी, सरफराज खान से कम नहीं है ध्रुव जुरेल की कहानी

नई दिल्ली.एजेंसी

राजकोट: ऋषभ पंत दिल्ली के गुरुद्वारे में रातें गुजारते हुए क्रिकेटर बने तो थंगरासु नटराजन की मां सड़क पर मीट बेचती थीं। रिंकू सिंह के पिता घर-घर जाकर गैस सिलेंडर बांटते थे और ध्रुव जुरेल की कहानी हमारे सामने है। उनके पिता ने पूरी जिंदगी कंधे पर बंदूक टांगकर भारत की रक्षा करने में गुजारी तो करगिल वॉर में पाकिस्तान से लोहा भी लिया। यही नहीं, जुरेल को क्रिकेट किट दिलाने के लिए पैसे नहीं थे तो मां ने अपने गहने बेचे। तब जाकर आज वह बेटा भारत के लिए डेब्यू कर सका है। दिनेश कार्तिक ने उन्हें डेब्यू कैप पहनाई।

करगिल वॉर हीरो का बेटा, जिसने क्रिकेटर बनने का सपना देखा

यह अलग बात है कि उनके इस खास दिन पर अधिक चर्चा सरफराज की हो रही है, जो मुंबई के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट में रनों की बारिश कर रहे थे, लेकिन आंकड़े और संघर्ष में करगिल वॉर हीरो

का बेटा सरफराज से कहीं कम नहीं है। ध्रुव ने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में केएस भरत को रिप्लेस किया। एक ओर सरफराज खान हैं, जिनके पिता नौशाद खान ने उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेटर बनाने के लिए एंड़ी-चोटी का जोर लगा दिया।

पिता चाहते थे ध्रुव जुरेल इंडियन आर्मी जॉइन करें

उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी सरफराज को भारतीय क्रिकेट टीम का कैप पहने देखने के लिए दी तो ध्रुव जुरेल के पिता चाहते थे कि बेटा एनडीए का एग्जाम दे और बड़ा ऑफिसर बनकर उनकी ही तरह इंडियन आर्मी में देश की सेवा करे, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। आगरा के 23 वर्षीय क्रिकेटर ध्रुव जुरेल ने गुरुवार को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में पदार्पण किया। टीम प्रबंधन ने केएस भरत की जगह उन्हें मौका देने का फैसला किया, जिन्होंने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया।

ग्रिल पर लगी बाउंसर, हक्के-बक्के रह गए रोहित शर्मा, मार्क वुड ने उड़ाए भारतीय कप्तान के होश

राजकोट. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दुनिया में शॉर्ट बॉल के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। क्रिकेट इतिहास में काफी कम खिलाड़ी रहे हैं जो पटकी हुई गेंद को रोहित शर्मा जितनी आसानी से खेल देते हैं। रोहित फ्रंट फुट से ही शॉर्ट बॉल को छक्के लिए भेजने की क्षमता रखते हैं। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में रोहित शर्मा मार्क वुड की पटकी हुई गेंद के खिलाफ असहज दिखे।

हेलमेट की ग्रिल पर लगी गेंदती

सारे टेस्ट मैच के पहले दिन भारत के कप्तान रोहित शर्मा को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की तेज बाउंसर ने हैरान कर दिया। भारतीय पारी के 10वें ओवर में वुड ने ओरदार गेंद फेंकी, जो सीधे रोहित के हेलमेट के ग्रिल से टकराकर पीछे विकेटों के पीछे चली गई। रोहित गेंद के उछाल से हैरान रह गए और जब गेंद विकेट से टकराकर ऊपर गई तो उन्हें समझ नहीं आया। वुड जल्दी से यह देखने आए कि रोहित ठीक हैं या नहीं।

रोहित ने नहीं किया पुल

रोहित शर्मा शॉर्ट गेंद देखते ही उसे पुल करने चले जाते हैं। लेकिन उन्होंने इस बार ऐसा नहीं किया।

बेन स्टोक्स ने रोहित के लिए दो फील्डर बाउंड्री पर रखे थे।

सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को मिला टेस्ट डेब्यू का मौका, पिता को गले लगाकर खूब रोए सरफराज

नई दिल्ली.एजेंसी

राजकोट में खेले जा रहे तीसरे इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट मैच में भारत के लिए दो खिलाड़ी डेब्यू कर रहे हैं। बल्लेबाज सरफराज खान और विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को टेस्ट डेब्यू कैप मिली है। सरफराज खान को लंबे समय से अपनी बारी का इंतजार था और उनका ये सपना गुरुवार 15 फरवरी 2024 को पूरा हो गया है। हालांकि, भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का सपना उनके लिए उनके पिता नौशाद खान ने देखा था। यही वजह थी कि जब सरफराज को टेस्ट कैप मिल रही थी तो उनके पिता की आंखों में आंसू थे। हालांकि, ये आंसू खुशी के थे। बाद में सरफराज ने अपने पिता को गले लगाया और उनके साथ भावुक नजर आए।

घरेलू क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने के बाद उनको भारत के मध्य क्रम में मौका मिलने जा रहा है। सरफराज खान को इसलिए टीम में चुना गया था, क्योंकि विराट कोहली पहले दो मैचों से बाहर हो गए थे, जबकि केएल राहुल दूसरे मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। सरफराज को दूसरे टेस्ट मैच से पहले टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वहां उनको मौका नहीं मिला। अब श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और विराट कोहली मध्य क्रम में नहीं हैं तो सरफराज को डेब्यू कैप मिली है। सरफराज अगले तीन टेस्ट मैचों के लिए भारत की टीम का हिस्सा हैं, क्योंकि विराट कोहली निजी कारणों से और श्रेयस अय्यर चोट के कारण टीम से बाहर हो गए हैं।ध्रुव जुरेल की बात करें तो वे पहले दो मैचों के लिए भी टीम का हिस्सा थे और बाकी बचे तीन मैचों के लिए भी बतौर बैकअप विकेटकीपर टीम में शामिल किए गए। पहले दो मैचों में भारतीय टीम मैनेजमेंट ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएस भरत पर भरोसा जताया। केएस भरत ने विकेटकीपर के तौर पर तो निराश नहीं किया, लेकिन एक बल्लेबाज के तौर पर वे प्रभाव छोड़ने में सफल नहीं हुए।

T20 में क्रिकेट में बन गया अद्भुत रिकॉर्ड, ओपनरों ने जड़ा शतक, ठोके 11 चौके और 23 छक्के

मोंग कोक (हॉन्गकॉन्ग). टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे बड़ी साझेदारी का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूट गया है। अफगानिस्तान के उस्मान घानी और हजरतुल्लाह जजई ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 236 रन जोड़े थे। अब पहली बार टी20 इंटरनेशनल में किसी जोड़ी ने 250 से ज्यादा रनों की साझेदारी बनाई है। यह कारनामा जापान के लाचलान यामामोटो लेक और केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग ने पहले क्रिकेट के लिए नाबाद 258 रन जोड़ दिए। किसी भी टी20 क्रिकेट में इससे पहले 250 से ज्यादा की साझेदारी नहीं हुई थी। चीन के खिलाफ मैच में 20 ओवर खेलने के बाद भी एक भी जापानी खिलाड़ी आउट नहीं हुए।

दोनों ओपनर ने ठोका शतक

इस मैच में जापान के दोनों सलामी बल्लेबाज लाचलान यामामोटो लेक और केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग ने शतकीय पारी खेली।

लाचलान ने 68 गेंदों पर 134 रन बनाए। उनकी पारी में 12 छक्के और 8 चौके शामिल थे। वहीं केंडल कडोवाकी ने 53 गेंदों पर 109 रनों की पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 3 चौके और 11 छक्के मार दिए। यह सिर्फ दूसरा ही मौका है जब टी20 मैच की एक ही पारी में दो शतक लगे हैं। इससे पहले 2022 में चेक रिपब्लिक ने बुल्गेरिया के खिलाफ यह कारनामा किया था।

20 ओवर में नहीं गिरा विकेट

जापान ने 20 ओवर खेलने के बाद भी एक भी विकेट नहीं गंवाया। यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सिर्फ दूसरा ही मौका है जब पूरे 120 गेंद खेलने के बाद किसी टीम का विकेट नहीं गिरा हो। इससे पहले 2022 में जिब्राल्टर की टीम ने बुल्गारिया के खिलाफ बिना विकेट खोए 213 रन बनाए थे। उस पारी में कोई शतक नहीं लगा था लेकिन बुल्गारिया के गेंदबाजों ने 28 अतिरिक्त रन दिए थे।

180 रन से हारा चीन

258 रनों के जवाब में चीन की पारी सिर्फ 78 रनों पर सिमट गई। जापान को 180 रनों से जीत मिली। यह टी20 इंटरनेशनल की 7वीं सबसे बड़ी रनों से जीत है। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज वोई यु ली ने 24 रनों की पारी खेली। इसके अलावा सिर्फ जोड़ कुई (10) ही दहाई के स्कोर तक पहुंच पाए।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का ऐलान, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

न्यूजीलैंड के खिलाफ अगले 29 फरवरी से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम का ऐलान हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने 14 सदस्यीय टीम का चयन किया है, जो इस सीरीज में खेलेग

नई दिल्ली.एजेंसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के नेशनल सेलेक्शन पैनल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के तहत खेली जाने वाली इस सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान चयनकर्ताओं ने किया है। 29 फरवरी से इस सीरीज की शुरुआत होगी। पैट कमिंस टीम के कप्तान होंगे और गेंदबाजी में वही तिकड़ी फिर से नजर आएगी, जो अब तक लगातार पांच मैच खेल चुकी है।

पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की पेस तिकड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलती नजर आएगी। लगातार सात मुकाबलों में ये गेंदबाजी लाइनअप ऑस्ट्रेलिया को मिलने वाली है। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैच और फिर वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने इसी पेस तिकड़ी के साथ खेली। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया ने स्कॉट बोलैंड को भी टीम में रखा है। हालांकि, इस दौरे पर उनको शायद ही मौका मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया की इस टीम में दो स्पिनर हैं। नाथन लायन के साथ-साथ माइकल नेसर को भी साथ में रखा है। हालांकि, सिर्फ नाथन लायन ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बन पाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की तरह न्यूजीलैंड में भी पेससर्स को मदद मिलती है। इस तरह तीन तेज गेंदबाज और एक स्पिनर प्लेइंग इलेवन में खेलते नजर आएंगे। सात प्योर बैटर ऑस्ट्रेलिया की अंतिम 11 में होंगे, जिनमें से कुछ पेस और कुछ स्पिन गेंदबाजी करते हैं। इस तरह एक कॉम्बिनेशन टीम को मिलेगा, जो न्यूजीलैंड के खिलाफ मदद करेगा। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया की टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार का गम भुलाना चाहेगी। माइकल नेसर ही टीम में एकमात्र बदलाव के रूप में आए हैं।

ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम इस प्रकार है

पैट कमिंस (कप्तान), स्टीव स्मिथ, एलेक्स कैरी, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लायन, मिचेल मार्श, माइकल नेसर, मैथ्यू रेनशॉ, स्कॉट बोलैंड और मिचेल स्टार्क।

तीसरे टेस्ट मैच से पहले रविंद्र जडेजा बोले- इंग्लैंड को हराना कठिन नहीं, लेकिन...

राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले रविंद्र जडेजा ने कहा है कि इंग्लैंड को हराना कठिन नहीं है, बल्कि वे अलग सोचते हैं और उनको अलग तरह से सोचकर हराया जा सकता है। सीरीज अभी बराबर है।

नई दिल्ली.एजेंसी

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज बराबरी पर खड़ी है। दोनों टीमों को तीसरे टेस्ट मैच से पहले एक लंबा ब्रेक मिला है। एक बार फिर से नए सिरे से सीरीज की शुरुआत होगी, क्योंकि अभी भी सीरीज की हार-जीत का फैसला होना है। तीसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का मानना है कि घरेलू टीम सीरीज के बाकी मैचों में इंग्लैंड की चुनौती का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। तीसरा टेस्ट मैच आज यानी गुरुवार 15 फरवरी से राजकोट में खेला जाएगा। उन्हें यकीन है कि इंग्लैंड द्वारा पेश की गई चुनौती अलग है और जरूरी नहीं कि मुश्किल हो।रविंद्र जडेजा ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, -मैं यह नहीं कहूंगा कि उनको हराना कठिन है, क्योंकि उनकी क्रिकेट खेलने की शैली आक्रामक है। इन सभी वर्षों में, जो भी टीम भारत आई है, उनके लिए भारत आना, भारतीय विकेटों पर खेलना और भारतीय परिस्थितियों में जीतना आसान नहीं रहा है, लेकिन इस सीरीज में, यहां तक कि पहला टेस्ट भी जो हम हार गए, हमने 190 रनों की बढ़त ले ली थी और वहां से हम फिसल गए। दूसरी पारी में छोटी-छोटी गलतियों के कारण हम मैच हार गए। ऐसा नहीं है कि इंग्लैंड को हराना मुश्किल है, लेकिन वे अलग शैली से खेलते हैं और इसे समझने में थोड़ा समय लगता है। एक बार जब आप उनकी शैली और दृष्टिकोण को समझ जाते हैं तो हम उसके अनुसार अपने खेल की योजना बना सकते हैं।बाएं हाथ के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे, जबकि पहले टेस्ट मैच में ओली पोप ने उन पर अटैक किया था। पोप ने मैच का रुख पलटने का काम किया था, क्योंकि करीब 200 रन उन्होंने दूसरी पारी में बनाए थे।

इस पर जडेजा ने कहा है कि वे अपनी गेंदबाजी योजना में ज्यादा बदलाव नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, -एक टीम के रूप में, अगर कोई अलग तरह से खेल रहा है तो आप गेंदबाजी करने की लाइनों के बारे में सोचना शुरू कर देंगे। एक गेंदबाज के रूप में, मैं इसे सरल रखने की कोशिश करूंगा और कुछ अलग करने की कोशिश नहीं करूंगा, क्योंकि वे अलग-अलग शॉट खेल रहे हैं। उन्हें अपनी शैली की क्रिकेट खेलने दें। हम अपनी बुनियादी योजनाओं पर कायम रहेंगे जो हम इतने सालों से करते आ रहे हैं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 16 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआईः UTTHIN / 2009 / 31653

फास्ट न्यूज

गुरु गोरखनाथ धाम में 271.39 लाख से होंगे विकास कार्य

चम्पावतः जनपद के सीमांत मंच तामली क्षेत्र में स्थित गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटन सुविधाओं को विकसित किए जाने को लेकर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत जनपद के गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किए जाने की शासन द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गयी है। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी नवनीत पांडेय ने अवगत कराया कि गुरु गोरखनाथ धाम में पर्यटक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किए जाने के लिए कार्यदायी संस्था उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम लोहाघाट को 271.39 लाख की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों में मंच में हिमालय दर्शन के लिए वॉच टावर एवं कैफेटेरिया, मंच से गोरखनाथ ट्रैक रूट का पडंजा के रूप में विकास, गुरु गोरखनाथ की मूर्ति की स्थापना, धाम में टॉयलेट का विकास, चाहरदीवारी का निर्माण, रैन वाटर हार्वेस्टिंग का विकास, मंदिर के 3 गेटों का पुनर्निर्माण, मंदिर परिसर में पटाल से फर्श का निर्माण तथा समस्त मार्ग में बेंचेस एवं साइनेज की स्थापना की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि स्वीकृत धनराशि से मदानुसार यथा शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जायेगा।

रालोद अध्यक्ष से दिल्ली में मिले पार्टी के सभी विधायक

लखनऊः राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के सभी नौ विधायकों से दिल्ली में बैठक की। रालोद अध्यक्ष ने सभी के साथ राज्यसभा चुनाव में मतदान से पूर्व रणनीति पर चर्चा की। बैठक में प्रमुख रूप से रालोद विधायकों से यूपी राज्यसभा चुनाव में सपा को हराये जाने पर फोकस किया गया। सूत्रों की मानें तो इसमें क्रास पश्चिम के सपा नेताओं को पाले में कर क्रास वोटिंग कराए जाने पर भी जोर दिया गया है। इस बैठक को लेकर रालोद अध्यक्ष ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सभी पार्टी विधायकों से एक सुखद मुलाकात रही। इसमें बदले समीकरण में बीजेपी के साथ गठबंधन के साथ पर सभी विधायकों का एक मत है।

'इंसेफेलाइटिस नियंत्रण देश-दुनिया का सफलतम मॉडल'

मुख्यमंत्री ने किया बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 60 करोड़ रुपये के प्रशासनिक भवन का शिलान्यास

योगी मॉडल

8 हमनें इंसेफेलाइटिस का चरम भी देखा है और आज उसे समाप्त होते भी देख रहे हैं: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

टीम एक्शन इंडिया/गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से छह-सात वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस पूरी तरह नियंत्रित और समाप्त हो चुका है। इसके उन्मूलन की बस घोषणा बाकी है। इंसेफेलाइटिस नियंत्रण देश और दुनिया का एक सफलतम मॉडल है। स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग बनाकर तैयार किए गए इस सफलतम मॉडल का केंद्र गोरखपुर का बीआरडी मेडिकल कॉलेज है। सीएम योगी गुरुवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस छात्रों के लिए 60 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले नए प्रशासनिक भवन का शिलान्यास तथा मेडिकल कॉलेज में सोलर रूफटॉप प्लांट के लोकार्पण के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस इंसेफेलाइटिस से हर साल बारह सौ से पंद्रह सौ मौतें होती थीं, आज उसे पूरी तरह कंट्रोल करते हुए हम लोग मासूम बच्चों को बचाने में सफल हुए हैं। स्वाभाविक रूप से उसके लिए जो मैनपावर लगता था, उसमें जो संसाधन लगते थे, उसको हम क्वालिटी ऑफ हेल्थ के लिए अन्य लोगों को भी उपलब्ध कराने में उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंसेफेलाइटिस नियंत्रण के सफलतम मॉडल का केंद्र बिंदु बीआरडी मेडिकल कॉलेज बना क्योंकि सबसे ज्यादा बोझ इसी पर रहता था। उन्होंने कहा कि हमनें इंसेफेलाइटिस का चरम भी देखा है और आज उसे समाप्त होते भी देख रहे हैं।

मॉडल बनाने में मीडिया ट्रायल तक झेलना पड़ाः सीएम योगी ने कहा कि 1977-78 से लेकर 2017 तक इंसेफेलाइटिस को समाप्त करने के बारे में सरकारें सोचती तक नहीं थीं। 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर मैंने समाप्त करने, इसके उन्मूलन के बारे में मॉडल तैयार करने पर विचार किया। इसी सिलसिले में कुशीनगर मुसहरों के बीच जाकर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्हें स्वच्छता के तरीके समझाए, साबुन के प्रयोग की जानकारी दी। तब मुझ पर तीन दिन मीडिया ट्रायल चला। मीडिया में हंसी उड़ाई गई कि एक मुख्यमंत्री गरीबो को साबुन बांट रहा है। पर, जब कोरोना आया तो ट्रायल करने वाले मीडिया के साथियों को भी साबुन और स्वच्छता की बात समझ में आई।

सफाई खुद में कई रोगों की रोकथाम हैः मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता पर ध्यान कई बीमारियों का समाधान है। इसे इंसेफेलाइटिस समाप्त करने की दिशा में मिशन मोड में बढ़ाया गया तो परिणाम सामने आया। 1997 98 से 2017 तक देखा आज परिणाम। बीमारी का चरम भी देखा और आज समाप्त होते भी। सीएम योगी ने कहा कि बीआरडी मेडिकल कॉलेज का अपना गौरवशाली इतिहास है।

योगी सरकार का लक्ष्य, 2026 तक उत्तर प्रदेश होगा फाइलेरिया मुक्त

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार पूर्वांचल में जापानी इंसेफेलाइटिस (जेई) और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) जैसी खतरनाक बीमारियों को नियंत्रित करने के बाद अब फाइलेरिया के उन्मूलन में जुट गई है। योगी सरकार के निर्देश पर सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान के तहत प्रदेश के विभिन्न जिलों में लोगों के घर-घर जाकर फाइलेरिया रोधी दवा खिलाई जा रही है। अभियान के शुरूआती चार दिनों में ही करीब 20 प्रतिशत लोगों ने दवा का सेवन कर लिया है। यह अभियान 28 फरवरी तक चलेगा। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य टीम से अपील की है कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रदेशवासियों को सिर्फ दवा न खिलाएं बल्कि जागरूक भी करें।

चार दिन में 20 प्रतिशत लोगों ने खा ली फाइलेरिया रोधी दवाः फाइलेरिया के राज्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमेश सिंह ठाकुर ने बताया कि एमडीए अभियान में कुल 3,60,25,891 लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके सापेक्ष सिर्फ चार दिन में ही 66 लाख 14 हजार 589 यानि करीब 20 प्रतिशत लोगों ने फाइलेरियारोधी दवा खा ली है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि उनकी सरकार के रहते कोई भी गरीबों को उजाड़ नहीं पाएगा। किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई तय है।, कराई जाएगी। सीएम योगी ने ये बातें गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए कहीं।

बीजापुर में पुलिस कैंप पर नक्सलियों ने बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर दागे

रायपुरः छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा के सीमावर्ती इलाके गढ़ गुंडम में गुरुवार को पुलिस फोर्स का नया कैंप स्थापित किया गया है। कैंप स्थापित करने के पहले ही दिन नक्सलियों ने वहां हमला कर दिया। बड़ी संख्या में कैंप पर नक्सलियों ने बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर दागे हैं। जवानों की जवाबी कार्रवाई में नक्सली भाग निकले। मौके से 5-5 किलो के छह आईईडी बरामद हुए हैं। हमले में किसी जवान को नुकसान की खबर नहीं है। इस मौके पर बीजापुर के सारे आला अधिकारी मौजूद हैं। गुंडम घोर नक्सल प्रभावित इलाका है। अभी तक फोर्स यहां जाने में डरती थी, क्योंकि यहां नक्सलियों की बटालियन काम करती है। डीएसपी तुलसी लेकाम ने बताया कि यह मुठभेड़ कैंप समीप हुई है। नक्सलियों द्वारा यूजीबीएल से हमला करने पर जवानों ने जवाबी कार्रवाई की है, जिससे नक्सली भागने में सफल रहे। डीएसपी ने बताया कि गुंडम कैंप काफी दूरस्थ इलाके में है, जहां का नेटवर्क सही नहीं है।

संदेशखाली में महिलाओं की दयनीय स्थिति की राष्ट्रीय महिला आयोग ने की निंदा

यौन हिंसा

8 पुलिस अधिकारियों, टीएमसी के सदस्यों ने उनके साथ शारीरिक और यौन हिंसा की

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं पर हो रही हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। इस संबंध में आयोग की तरफ से तथ्यान्वेषण कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में संदेशखाली में महिलाओं की दयनीय स्थिति की तीखी निंदा की है। 12 फरवरी को एनसीडब्ल्यू की एक टीम ने क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ गंभीर हिंसा और धमकी की खबरों को देखते हुए स्थिति का आकलन करने के लिए संदेशखाली का दौरा किया। टीम के निष्कर्षों में पाया गया कि पश्चिम बंगाल सरकार और कानून प्रवर्तन अधिकारियों की ओर से लापरवाही और मिलीभगत के कारण वहां हिंसा हो रही है और कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। एनसीडब्ल्यू की सदस्य डेलिना खोंगडुप ने संदेशखाली की यात्रा के दौरान स्थानीय पुलिस अधिकारियों के रवैये पर गहरी निराशा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने कथित तौर पर एनसीडब्ल्यू के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया और टीम को किसी भी प्रकार की सहायता नहीं दी। आयोग की सदस्य ने बताया कि वहां खौफ इस कदर है कि एनसीडब्ल्यू समिति द्वारा ली गई महिला की गवाही की रिकॉर्डिंग उसकी सुरक्षा के मद्देनजर हटानी पड़ी। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति चिंताजनक है

सदस्य ने बताया कि संदेशखाली में महिलाओं से बातचीत के आधार पर पता चला कि वहां महिलाएं न केवल प्रताड़ित की जा रही हैं बल्कि सुरक्षित भी नहीं है।

पीड़ितों ने आयोग को बताया कि पुलिस अधिकारियों और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सदस्यों ने उनके साथ शारीरिक और यौन हिंसा की। जिन महिलाओं ने इस तरह के अत्याचारों के खिलाफ बोलने की हिम्मत की, उन्हें तत्काल प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। इसमें उनकी संपत्ति की जब्ती, परिवार के पुरुष सदस्यों की मनमानी गिरफ्तारी शामिल थी। आयोग की सदस्य ने बताया कि वहां खौफ इस कदर है कि एनसीडब्ल्यू समिति द्वारा ली गई महिला की गवाही की रिकॉर्डिंग उसकी सुरक्षा के मद्देनजर हटानी पड़ी। पश्चिम बंगाल में यह स्थिति चिंताजनक है

कोयला गैसीकरण प्रोजेक्ट में तेजी लाने के लिए आज बैठक

टीम एक्शन इंडिया/ नई दिल्ली केंद्रीय कोयला मंत्रालय शुक्रवार को हैदराबाद में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्योग के हितधारकों के साथ बैठक की मेजबानी करेगा। इसका उद्देश्य देशभर में कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण प्रोजेक्ट के विकास और प्रसार में तेजी लाना है। कोयला मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कोयला सचिव अमृत लाल मीना इस बैठक के मुख्य अतिथि होंगे। बैठक में कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष पीएम प्रसाद भी मौजूद रहेंगे केंद्र सरकार ने देश की भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण प्रोजेक्ट को बढ़ावा देने के लिए 8,500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी है। गैसीकरण प्रोजेक्ट की योजना तीन श्रेणियों के तहत बनाई गई है। ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े उद्योग हितधारकों के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से कोयला मंत्रालय गैसीकरण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाना चाहता है। इसके साथ ही कोयला एवं लिग्नाइट-आधारित ऊर्जा समाधानों के लिए एक मजबूत इको-सिस्टम के विकास को सुगम भी बनाना चाहता है। यह आयोजन कोयला एवं लिग्नाइट गैसीकरण प्रोजेक्ट से जुड़े अवसरों और चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं और निवेशकों सहित प्रमुख हितधारकों को एक मंच पर लाएगा।

सीएम धामी ने गौचर में किया रोड-शो

उत्साह

8 पुरुषों के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं रोड-शो में शामिल हुई। इस दौरान लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा था

टीम एक्शन इंडिया/ देहरादून/चमोली

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को गौचर में आयोजित नंदा गौरा महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिए पहुंचे। इस बीआरओ गेस्ट हाउस, गौचर से मेला मैदान तक रोड-शो किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज दोपहर हेलीकॉप्टर से गौचर पहुंचे। इसके बाद कार से बीआरओ गेस्ट हाउस में पहुंचे। यहां से मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल तक रोड शो किया। इस दौरान पुरुषों के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं रोड-शो में शामिल हुई। इस दौरान लोगों में उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री धामी आज विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। 'नंदा-गौरा महोत्सव' बेटी ब्वारी आवा उत्तराखण्ड तै अगनि बढ़ावा कार्यक्रम में शामिल हुए।

सिक्की आर्ट से नदियों की घास को बनाया उपयोगी

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद

बिहार राज्य के सीतामढ़ी क्षेत्र की रहने वाली 33 वर्षीय ज्योत्सना ने नदियों में उगने वाली सिक्की घास को अपने हुनर से न केवल उसे उपयोगी बनाया, बल्कि आर्थिक तरक्की का आधार भी बना लिया है। घास से बनी देवी देवताओं, ऐतिहासिक स्थलों और ज्वैलरी अब हजारों की कीमत में बिक रही है। इसी सिक्की घास की कला को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने ज्योत्सना को वर्ष 2014 में राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा है। ज्योत्सना अब अपनी इस कला पर पीएचडी भी कर रही हैं। उन्होंने पिछले 24 वर्षों में इस कला को देश

के विभिन्न हिस्सों में पहचान दिलाने के साथ-साथ अमेरिका, इथोपिया, जर्मनी और दुबई तक पहुंचाने का कार्य किया हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्योत्सना 50 से अधिक महिलाओं को अपने साथ जोडक? उन्हें भी आत्मनिर्भर बना चुकी हैं। शिल्पकार ज्योत्सना ने बताया कि सिक्की कला राजा जनक के कार्यकाल से चली आ रही है। पुराणों में वर्णित है कि सिक्की कला का उदय सीतामढ़ी से हुआ है। विदेहराज राजा जनक ने अपनी पुत्री वैदेही को विदाई के समय मिथिला की महिलाओं से विभिन्न प्रकार की कलाकृतियां बनवाकर दी थीं, जिसमें

सूरजकुंड मेला

8 सिक्की घास के इस्तेमाल से बनाती हैं देवी देवताओं की तस्वीर, ऐतिहासिक भवन एवं ज्वैलरी

सिक्की कला की पौती, पेटारी, डिब्बी आदि शामिल थी। तभी से इस कला का उद्गम माना जाता है। उन्होंने बताया कि वह सिक्की कला में ही पीएचडी भी कर रही हैं। ज्योत्सना ने बताया कि सिक्की घास बिहार की बाढ़ वाली नदियों के अलावा नेपाल की नदियों में पाई जाती है।

छत्तीसगढ़ में डीएसपी स्तर के 10 अधिकारियों का तबादला

रायपुरः छत्तीसगढ़ पुलिस के एएसपी और डीएसपी स्तर के 10 अधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार अब संजय सिंह रायपुर क्राइम ब्रांच के नए डीएसपी होंगे। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। गृह विभाग द्वारा जारी किये गए तबादला आदेश में राजेन्द्र प्रसाद भैया को रायगढ़ में 6वीं वाहिनी छसबल के प्रभारी सेनानी की जिम्मेदारी दी गई है। राजेन्द्र कुमार जायसवाल को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव, सोनिया घरडे को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज्य पुलिस अकादमी, चंद्रखुरी रायपुर, शिवचरण सिंह परिहार को सुकमा उप पुलिस अधीक्षक बनाया गया है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में खुले भारत के तरक्की के रास्तेः कृष्णपाल गुर्जर

टीम एक्शन इंडिया/फरीदाबाद

केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने गुरुवार को बल्लबगढ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की एक और सौगात दी है। उन्होंने बल्लबगढ विधान सभा क्षेत्र में सीवर और सडकों सहित करोड़ों की लागत से होने वाले विकास कार्यों का शिलान्यास किया है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर और हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र को एक करोड़ 76 लाख रुपए की लागत से

होने वाले कार्यों की सौगात देते हुए सीवरेज लाइन और आरएमसी सडको के साथ-साथ हरी विहार कालोनी में इंटरलॉकिंग टाइल से कार्य होगा। उन्होंने सौगात की इस कड़ी में ऊंचा गांव में राठौर चौक से सेक्टर- 62 तक जाने वाली सीवर लाइन के अलावा ऊंचा गांव में सैनिक स्कूल के सामने बनाई जाने वाली आरएमसी रोड, वार्ड 40 में हारी बिहार की 17 गलियों को इंटर लाकिगं टाइलों से बनाने का शिलान्यास किया गया है। केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि आज देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तरक्की के रास्ते खुले हैं और भारत देश का सम्मान दुनिया में बढ़ा है। उसी तरह हरियाणा में भी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश में चौमुखी विकास हुआ है।

हल्द्वानीः कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र के बच्चे भी देंगे सीबीएसई बोर्ड परीक्षा

टीम एक्शन इंडिया/हल्द्वानी

सीबीएसई की शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में कर्फ्यू प्रभावित बनभूलपुरा क्षेत्र के छात्र-छात्राएं भी शामिल होंगे। इसके लिए उन्हें अपना प्रवेश पत्र कर्फ्यू पास के तौर पर इस्तेमाल करना होगा। यहां के कई बच्चे शहर के नामी निजी स्कूलों में पढ़ते हैं। सीबीएसई से संबद्ध निजी स्कूलों में पढ़ने वाले बनभूलपुरा के बच्चों की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को लेकर असमंजस बना हुआ था। स्कूलों की ओर से इस संबंध में लगातार स्थिति स्पष्ट करने की मांग की जा रही थी। इस संबंध में शासन स्तर पर भी वार्ता की जा रही थी। निर्देश

अनुमति

8 छात्र-छात्राओं को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा देनी है उन्हें प्रवेश पत्र दिखाकर स्कूल तक जाने की अनुमति मिलेगी

मिलने के बाद बुधवार शाम को डीएम की मौजूदगी में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि बनभूलपुरा के जिन छात्र-छात्राओं को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा देनी है उन्हें प्रवेश पत्र दिखाकर स्कूल तक जाने की अनुमति मिलेगी।

आदेश

यह आदेश 15 फरवरी से सुबह 5 बजे से अगले आदेशों तक लागू रहेगा

हल्द्वानी हिंसाः आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक कर्फ्यू में छूट

टीम एक्शन इंडिया/हल्द्वानी

जिलाधिकारी ने शांति व्यवस्था में सुधार को को देखते हुए वनभूलपुरा के कर्फ्यू प्रभावित क्षेत्र में स्थित गौजाजाली, रेलवे बाजार, आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक कर्फ्यू में छूट दी है। जबकि शेष बनभूलपुरा में 9 से 11 बजे तक कर्फ्यू में छूट देने का आदेश जारी किया है। यह आदेश 15 फरवरी से सुबह 5 बजे से अगले आदेशों तक लागू रहेगा।

जिलाधिकारी वंदना सिंह के जारी आदेश के मुताबिक वनभूलपुरा में

आवागमन

8 आदेश का उल्लंघन करने पर लोगों के खिलाफ धारा-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी: जिलाधिकारी

15 फरवरी से सुबह 5 बजे कर्फ्यू में छूट दिए जाने का आदेश लागू होगा। इसके तहत गौजाजाली, रेलवे बाजार, आरएफसी गोदाम क्षेत्र में सुबह 9 से 4 बजे तक

कर्फ्यू में छूट दी है। जबकि शेष बनभूलपुरा में 9 से 11 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। कर्फ्यू में छूट के दौरान क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े प्रतिष्ठान और दुकानें खुली रहेंगी। इस दौरान आम लोग आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए दुकानों तक आ जा सकेंगे जबकि अनावश्यक आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। क्षेत्र के लोगों के लिए यह छूट सिर्फ कर्फ्यू वाले क्षेत्र में ही आवागमन की अनुमति रहेगी। वह कर्फ्यू वाले क्षेत्र से बाहर आ-जा नहीं सकेंगे। कर्फ्यू में छूट के तहत छात्र-छात्राएं परीक्षा देने के लिए क्षेत्र से परीक्षा केंद्र तक आ जा सकेंगे। साथ ही क्षेत्र में निवासरत कर्मचारी भी बोर्ड ड्यूटी पर जा सकेंगे। आदेश का उल्लंघन करने पर लोगों के खिलाफ धारा-188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों को लाउडस्पीकर से क्षेत्र में इस आदेश का प्रचार करने के आदेश दिए हैं।